RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:70 ता. 01 सितम्बर 2023, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

दिल्ली में अमेजन के मैनेजर को गोली मारने वाला बिलाल गनी गिरफ्तार, रोड रेज में मारी दी गोली

नई दिल्ली। दिल्ली के भजनपुरा इलाके में ई-कॉमर्स वेबसाइट अमेजन के मैनेजर की हत्या के मामले में पुलिस ने 18 साल के संदिग्ध बिलाल गनी को गुरुवार सुबह गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि आरोपी को गुरुवार तड़के करीब दो बजे सिग्नेचर ब्रिज के पास से पकड़ा गया। मंगलवार देर रात, अमेजन के सीनियर मैनेजर के रूप में काम करने वाले एक 36 वर्षीय व्यक्ति की भजनपुरा में पांच मोटरसाइकिल सवार लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। जबकि उनका एक रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल हो गया था। दिल्ली पुलिस ने फायरिंग और हत्या के पीछे रोडरेज को वजह बताया है। दिल्ली पुलिस ने कहा, %घटना के बाद, सभी आरोपियों ने कुछ दिनों तक शांत रहने का फैसला किया। एक आरोपी बिलाल को आज सुबह गिरफ्तार किया गया है। घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों को स्कैन करने के बाद आरोपियों की पहचान की गई। इसमें दिखाई दे रहे बाकी आरोपियों को पकड़ने की कोशिशकी जा रही है। अमेजन मैनेजर की हत्या के मामले में पांच संदिग्ध हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दूसरे आरोपी मोहम्मद समीर उर्फ माया को स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान में, दिल्ली पुलिस ने कहा कि 29 अगस्त को लगभग 11:40 बजे, बिलाल गनी और उसके साथियों ने गली नंबर 8/4, सुभाष विहार, भजनपुरा के पास दो लोगों को रोका और उनमें से एक की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने कहा, बिलाल गनी उर्फ मल्लू कुछ दिन पहले ही 18 साल का हुआ है, उसने 27 अगस्त को अपना 18वां जन्मदिन मनाया था। वह 10वीं तक पढ़ा है और उत्तरी घोंडा, भजनपुरा में एक वेल्डिंग की दुकान पर काम करता है। उसके पिता एल्युमीनियम कटर और बढ़ई के रूप में काम करते हैं। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि आरोपी 2022 में दो मामलों में शामिल था, जिसमें भजनपुरा में एक हत्या और एक डकैती का मामला शामिल है। उसने और उसके साथियों ने भजनपुरा में एक व्यक्ति से स्कूटी लूट ली थी। पुलिस अधिकारी ने कहा, मंगलवार रात, वह अपने चार अन्य साथियों, मोहम्मद समीर उर्फ माया , सोहेल , मोहम्मद जुनैद और अदनान (19) के साथ उत्तरी घोंडा, भजनपुरा में एक घर में पार्टी कर रहा था।

नीतीश कुमार को लगेगा फिर झटका, क्यों सीट बंटवारा टालना चाहता है इंडिया गठबंधन

साल 2023 के अंत तक पांच राज्यों- मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगान और मिजोरम में चुनाव होने हैं। पार्टियां लोकसभा चुनाव का माहौल देखने के लिए विधानसभा चुनाव के नतीजों का इंतजार कर सकती हैं।

नई दिल्ली। किसके खाते में कितनी सीटें आएंगी? विपक्ष का मुख्य नेता कौन होगा? इन नए गठबंधन ढ्ढ.ह्न.ष्ठ.ढ्ढ. से जुड़े इस तरह के सवालों के जवाब के लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। खबर है कि विपक्ष कई बड़े फैसले लेने के लिए आगामी विधानसभा चुनावों के खत्म होने का इंतजार कर सकता है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। माना जा रहा था कि मुंबई में गुरुवार से शुरू हो रही दो दिवसीय बैठक में विपक्ष की इन मुद्दों पर सहमति बन सकती है।

साल 2023 के अंत तक पांच राज्यों- मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगान और मिजोरम में चुनाव होने हैं। अब एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अब तक एक-दूसरे की विरोधी रहीं पार्टियां लोकसभा चुनाव का माहौल देखने के लिए विधानसभा चुनाव के नतीजों का इंतजार कर सकती हैं। दरअसल, आगामी चुनाव के नतीजे पार्टियों को गठबंधन में

अपना कद तैयार करने का मौका देंगे और साथ ही अन्य दलों की स्थिति की भी जानकारी दे देंगे।

खास बात है कि बिहार के मुख्यमंत्री और विपक्षी गठबंधन को तैयार करने में बड़ी भूमिका निभा चुके नीतीश कुमार जल्दी सीट बंटवारे के पक्ष में हैं। इधर, संयोजक को लेकर खबरे हैं कि विपक्ष कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नाम को आगे बढ़ा सकता है।

क्या हो रहा है टकराव?

इससे पहले तृणमूल कांग्रेस और सीपीएम, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी, जनता दल यूनाइटेड और राष्ट्रीय जनता दल जैसी कई पार्टियों के बीच खींचतान की खबरें आती रही हैं। खास बात है कि विस्तार की तैयारी कर रहे कई राजनीतिक दलों को भी गठबंधन के चलते सीमित मौके मिलने की संभावनाएं हैं, लेकिन आगामी विधानसभा चुनाव के नतीजे माहौल बदल सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, विपक्ष के एक नेता बताते हैं, %बेंगलुरु कॉन्क्लेव के करीब डेढ़ महीने के बाद हमारी यह बैठक हो रही है। आदर्श तौर पर हमें मुंबई में अध्यक्ष और संयोजक का चुनाव करना चाहिए, लेकिन अगर हम ऐसा नहीं कर पाते हैं, तो हमें कुछ समितियों और उप समूहों का ऐलान करना चाहिए। और भी ज्यादा गंभीर मुद्दों को बाद में या शायद अगली मीटिंग में उठाया जा सकता है।%

समन्वय समिति पर फैसला

मुंबई में आयोजित बैठक में विपक्षी गठबंधन समन्वय समिति को लेकर भी बड़ा फैसला ले सकता है। कहा जा रहा है कि इसमें समाजवादी पार्टी, सीपीएम, एनसीपी, झामुमो, आरजेडी, शिवसेना (यूबीटी), आप, टीएमसी, डीएमके, कांग्रेस से एक-एक नेता को शामिल किया जा सकता है। समिति में कुल 11 सदस्यों को शामिल किए जाने की संभावनाएं हैं।

जालसाजों ने सुप्रीम कोर्ट को भी नहीं छोड़ा, बना दी फर्जी वेबसाइट; इनसे रहें सावधान

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अदालत की एक फर्जी वेबसाइट का खुलासा किया है। साथ ही एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर जनता से सावधान रहने की भी अपील की है। खबर है कि शीर्ष न्यायालय की ही यह फर्जी वेबसाइट फिशिंग अटैक के मकसद से तैयार की गई थी। स्ष्ट ने साफ किया है कि कोर्ट किसी से भी निजी, वित्तीय या गोपनीय जानकारी नहीं मांगता है।

नोटिस में क्या कहा गया

लाइवलॉ के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि फिशिंग अटैक से जुड़ी जानकारी मिली है। आधिकारिक वेबसाइट की नकल करती हुई वेबसाइट तैयार की गई है। कोर्ट ने जानकारी दी है कि साइबर हमला करने वाले इन वेबसाइट्स के जरिए निजी जानकारी और गोपनीय जानकारी मांग रहे हैं। इन वेबसाइट्स पर जाने वाले किसी भी विजिटर को सलाह दी जाती है कि कोई भी निजी जानकारी साझा न करें। सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने कहा है कि लोग बगैर प्रमाणिकता जाने न ही लिंक्स पर क्लिक करें और न शेयर करें। कोर्ट ने बताया कि अगर कोई इस तरह के साइबर हमले का शिकार हुआ है, तो वह अपने सभी ऑनलाइन अकाउंट्स के पासवर्ड बदल लें और अपने बैंकों, क्रेडिट कार्ड कंपनी को भी सूचित कर दें। इन वेबसाइट्स के संबंध में एजेंसियों को भी सूचित कर दिया गया है।

इन वेबसाइट्स से बचें

शीर्ष न्यायालय के अनुसार, फिशिंग अटैक के लिए इन http://cbins/scigv.com and https://cbins.scigv.com/offence वेबसाइट्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। जबकि, URL – https://cbins.scigv.com/offence के जरिए लोगों से निजी जानकारी लेने की कोशिश की जा रही है। कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट www.sci.gov.in है।

दिल्ली बनेगा खालिस्तान... मेट्रो स्टेशन पर भारत विरोधी नारे लिखने वाला अरेस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पांच से अधिक मेट्रो स्टेशनों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। रविवार सुबह 27 अगस्त को बाहरी दिल्ली में दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) की ग्रीन लाइन पर पांच मेट्रो स्टेशनों - शिवाजी पार्क, मादीपुर, पशिम विहार और नांगलोई की दीवारों पर खालिस्तानी समर्थक नारे लिखे दिखाई दिए थे। ये घटनाएं ऐसे समय पर सामने आई हैं जब दिल्ली में 8-10 सितंबर को जी20 शिखर सम्मेलन होना है। आपत्तिजनक नारे और भित्तिचित्र (ग्राफिटी) कथित तौर पर प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के कार्यकर्ताओं या समर्थकों द्वारा लिखे गए थे। उन्होंने मेट्रो की दीवारों पर दिल्ली बनेगा (बनेगा) खालिस्तान खालिस्तान रेफरेंडम जिंदाबाद और %मोदी के भारत ने सिखों का नरसंहार किया जैसे नारे लिखे गए थे। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में, एसएफआई प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नून, जो भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बचने के लिए विदेश में रहता है, ने घटनाओं की जिम्मेदारी ली थी। वीडियो में पन्नू को यह कहते हुए सुना जा सकता है, भारत, प्रगति मैदान में जी-20 की लड़ाई आज शुरू हो गई है... सच्चे खालिस्तानियों ने दिल्ली के मेट्रो स्टेशनों पर नारे

लिखे हैं... और यह सभी जी-20 देशों को एक मैसेज है... एचटी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे उस वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है, जिसमें पन्नू को भारत विरोधी टिप्पणी करते हुए दिखाया गया है। घटना की जानकारी रखने वाले एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि 27 अगस्त की सुबह दीवारों पर भित्तिचित्र बनाए गए, उस समय मेट्रो ट्रेन सेवाएं और स्टेशन बंद थे। जनवरी से अगस्त के बीच शहर में इस तरह की यह दूसरी घटना है। पिछली बार जनवरी में गणतंत्र दिवस समारोह से पहले, खालिस्तान जिंदाबाद, एसएफआई, वोट फॉर खालिस्तान और रेफरेंडम 2020 जैसे आपत्तिजनक खालिस्तान समर्थक नारे दिल्ली के पश्चिमी इलाकों में कम से कम 10 स्थानों पर दीवारों पर लिखे गए थे।

बता दें कि पश्चिमी दिल्ली के विकासपुरी, जनकपुरी, पश्चिम विहार, पीरागढ़ी और अन्य स्थानों पर ऐसे भित्तिचित्र बनाए गए थे। पुलिस ने इस मामले में गलत आरोप लगाना, राष्ट्रीय-अखंडता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले दावे और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज किया था। बाद में, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दो लोगों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने 2 लाख रुपये के बदले में दीवारों पर ऐसे नारे लिखे थे। उन्हें पैसे देने का वादा किया गया था। उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने यह कृत्य प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन, सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के निर्देश पर किया था, जिसने अलगाव की धमकी दी थी और इसके प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नून द्वारा इंटरनेट पर जारी एक वीडियो के जरिए घटना की जिम्मेदारी भी ली गई थी।

महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा ने रखे सक्रिय राजनीति में कदम

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने राजनीति में औपचारिक तौर पर कदम रख दिया है। चार साल तक अपनी मां का सोशल मीडिया अकाउंट चलाने के बाद इल्तिजा को अपनी ही मां और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती का मीडिया सलाहकार नियुक्त किया गया है। 35 वर्षीय इल्तिजा की नियुक्ति का फैसला पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के स्तर पर लिया गया है। पार्टी के एक बयान में कहा गया है, जम्मू-कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने इल्तिजा मुफ्ती को पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती का मीडिया सलाहकार नियुक्त किया है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि इल्तिजा 2019 से महबूबा मुफ्ती की सोशल मीडिया की प्रभारी हैं। इल्तिजा उस समय अनुच्छेद 370 को अवैध रूप से निरस्त करने के भारत सरकार के फैसले की एक अग्रणी आवाज और मुखर आलोचक के रूप में उभरीं थीं, जब जम्मू-कश्मीर के मुख्यधारा के नेता सलाखों के पीछे थे। इल्तिजा ने अपनी नियुक्ति के बाद कहा, ऐसे समय में जब जम्मू-कश्मीर के लोग खुद को पूरी तरह से अराजकता, निराशा और अंधेरे में फंसा हुआ पाते हैं, उनकी हर संभव तरीके से मदद करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मुझे उम्मीद है कि मैं अंतर ला सकती हूं। इल्तिजा की नियुक्ति की घोषणा करते हुए पार्टी के एक प्रवक्ता ने कहा कि ऐसे वक्त में जब जम्मू-कश्मीर के मुख्य नेताओं को सलाखों के पीछे डाला जा रहा था तब इल्तिजा ही थीं, जिन्होंने सरकार के अवैध तरीके से अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधानों को हटाने के फैसले के खिलाफ मुखरता से आवाज उठाई और आलोचक बनकर उभरी थीं। इल्तिजा ने पिछले साल सितंबर में कहा था कि वह जम्मू-कश्मीर के भयभीत माहौल में राजनीति का हिस्सा नहीं बनना चाहती हैं। हालांकि उन्होंने संभावना को पूर्ण रूप से खारिज नहीं करते हुए कहा था कि भविष्य का किसी को नहीं पता। इल्तिजा ने जम्मू में एक सम्मेलन में कहा था, मौजूदा माहौल में, जहां राजनेता पत्रकार बन रहे हैं और पत्रकार स्टेनोग्राफर, मैं राजनीति नहीं करना चाहती। राजनीति, जनता के साथ आपके रिश्ते बनाने को लेकर है।

चुनाव से पहले राजस्थान बीजेपी में नया संकट, केंद्रीय मंत्री मेघवाल के खिलाफ बगावत!

जयपुर। राजस्थान में विधानसभ चुनाव से पहले बीजेपी में नया संकट खड़ा हो गया है। बीजेपी प्रदेश संकल्प पत्र समिति के अध्यक्ष और केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल मुश्किल में घिरते हुए दिखाई दे रहे हैं। मेघवाल के खिलाफ जहां पूर विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने मोर्चा खोल दिया है। वहीं सीएम गहलोत ने मेघवाल के आईएएस अफसर रहने के दौरान करप्शन की जांच कराने की बात कही है। सीएम गहलोत ने भाजपा नेता कैलाश मेघवाल के आरोपों का समर्थन किया है। सीएम ने कहा कि कैलाश मेघवाल ठीक बोल रहे हैं, हम अर्जुनराम की जांच करवा रहे हैं। अर्जुनराम आईएएस थे, तब उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है कि आगामी दिनों में क्या मध्य प्रदेश की राजनीति में कुछ बड़ा होने वाले हैं?

अर्जुन मेघवाल का पलटवार

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दिल्ली में कहा कि संभवत- कैलाश मेघवाल को बीजेपी से टिकट नहीं मिल रहा है, इसलिए वह कांग्रेस की ओर जा रहे हैं।अर्जुन राम मेघवाल ने कहा- कैलाश मेघवाल मुझे मंच से धमकी दे रहे थे कि इस बार मुझे टिकट दोगे या नहीं। मैंने कहा कि टिकट देने वाला मैं कौन होता हूं, टिकट तो पार्टी तय करती है। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की होगी। उन्हें लग रहा होगा कि उन्हें टिकट नहीं मिलेगा तो इसलिए वह कांग्रेस की ओर जा रहे हैं। वह मंच पर कांग्रेस के सीएम की तारीफ कर रहे हैं। तारीफ ही नहीं कर रहे हैं, तारीफ करते थक नहीं रहे। जब वह कांग्रेस के सीएम की प्रशंसा कर रहे हैं तो यह स्वाभाविक है कि वह मेरी आलोचना करेंगे।

कैलाश मेघवाल ने लगाया था यह आरोप

उल्लेखनीय है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश मेघवाल के बयान को लेकर बीजेपी ने उन्हें कारण बताओ नोटिस भेजा है। दरअसल एक कार्यक्रम में कैलाश मेघवाल ने अपनी ही पार्टी के नेता की न केवल आलोचना की बल्कि सीएम और विधानसभा स्पीकर की तारीफ करते दिखे थे। कैलाश मेघवाल ने अर्जुन राम मेगवाल को भ्रष्टाचारी नंबर वन की संज्ञा दे डाली। इसके साथ ही कहा कि वह पीएम मोदी को चिट्ठी लिखेंगे। कैलाश मेघवाल ने कहा- मैं पीएम से कहने वाला हूं कि भाई आपने जिसको मंत्री बनाया है। वह भ्रष्टाचार में लिप्त अफसर था। उसने लाखों रुपये का भ्रष्टाचार किया था। इसने गरीब और मजबूर लोगों को भी नहीं छोड़ा।

अब अजित पवार की हर फाइल देवेंद्र फडणवीस करेंगे मंजूर, फिर शिंदे लेंगे फैसला; लगाम कसने का प्लान

मुंबई। महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार में तीनों सहयोगी दलों के बीच खटपट शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि सरकार में शामिल नए सहयोगी दल एनसीपी के नेता और राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के कामकाज के तरीके और एकतरफा फैसले लेने के कदम से न केवल मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना बल्कि बीजेपी भी नाखुश है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अब यह सुनिश्चित करने के उपाय कर रहे हैं कि अजित पवार के भविष्य के फैसले %सर्वसम्मति से% हों।

ईटी की रिपोर्ट्स के मुताबिक, वित्त और योजना मंत्री अजित पवार द्वारा मंजूर की गई फाइलें अब डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़नवीस के पास भेजी जाएंगी और उसके बाद ही इसे अंतिम मंजूरी के लिए सीएम शिंदे के पास भेजा जाएगा। पिछले कुछ दिनों में अजित पवार द्वारा लिए गए कई फैसलों के बाद यह नई व्यवस्था मुख्यमंत्री की तरफ से बनाई गई है। पवार के फैसलों से शिंदे और बीजेपी दोनों खेमों में बड़ी नाराजगी है।

पवार ने रखी थीं कड़ी शर्तें

दरअसल, डिप्टी सीएम अजित पवार ने 21 अगस्त को राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम से ऋण प्राप्त करने के लिए कड़ी शर्तें रखी थीं।

इसके दायरे में भाजपा नेताओं और विधायकों के मालिकाना या कंट्रोल वाली छह चीनी सहकारी समितियां आ रहीं थीं लेकिन शिंदे सरकार ने बुधवार को इस फैसले को पलट दिया। हालांकि, यह फैसला आर्थिक रूप से विवेकपूर्ण था, बावजूद इसके इस फैसले को बीजेपी के प्रभाव को कम करने के अजित पवार के प्रयास के रूप में देखा गया।

बीजेपी ने कैसे पलटा फैसला

राज्य के सहकारी क्षेत्र में एनसीपी का दबदबा है और वह इस क्षेत्र में बीजेपी की एंट्री से नाराज है। मंगलवार को, कई बीजेपी नेताओं और विधायकों जैसे विजयसिंह मोहिते पाटिल, अभिमन्यु पवार, हर्षवर्द्धन पाटिल और अन्य, जिन्हें ऋण प्राप्त करना था, ने शिंदे और फड़नवीस से मुलाकात की और स्थिति के बारे में शिकायत की। इस बैठक के बाद अजित पवार के आदेश को वापस लेने का फैसला लिया गया।

इस घटनाक्रम के बाद अब मुख्यमंत्री शिंदे ने एक ऐसा सिस्टम तैयार किया है जिसके तहत डिप्टी सीएम अजित पवार अकेले कोई निर्णय नहीं लेंगे। अब से, पवार के मंत्रालय की फाइलें और महत्वपूर्ण फैसले पहले फड़णवीस के पास जाएंगे और उनकी मंजूरी के बाद, उसे अंतिम मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री के पास भेजा जाएगा।

जी-20 सम्मेलन के लिए दुल्हन की तरह सज रही दिल्ली

नई दिल्ली ।जी20 सम्मेलन के आयोजन में महज कुछ ही दिन शेष है। इसकारण दिल्ली और आस-पास के इलाकों को भी खूबसूरत बनाने की दिशा में दिन रात प्रयास हो रहे हैं। दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी महत्वपूर्ण सड़कों पर काम 31 अगस्त की समय सीमा में ही पूरा हो जाए। पीडब्ल्यूडी के विशेष सचिव शशांक आला द्वारा जारी आदेश के अनुसार, 4 सितंबर को इंस्टॉलेशन और उपकरणों के ड्राई रन की भी योजना बनाई गई है। अधिकारियों को 1 सितंबर से 7 सितंबर के बीच फव्वारों, लाइटों, पंपों, मोटरों के कामकाज की सख्ती से जांच करने और सड़कों, फुटपाथों और फुटपाथों की सफाई सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया है। बता दें कि जी-20 सम्मेलन के लिए सड़क किनारे पौधे लगाने के साथ-साथ, फुव्वारा, जी-20 का लोगो, सेंट्रल वर्ज का काम, साथ ही चारों तरफ हरियाली के लिए काफी संख्या में अलग-अलग तरह के खूबसूरत पौधे लगाने का काम, दीवारों पर पेंटिंग्स, मूर्तियां, रंग बिरंगी लाइट्स लगाई जा रही है। जी-20 सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए जो विदेशी मेहमान आ रहे हैं, उन्हें दिल्ली की खूबसूरती मनमोहन लगे और किसी भी इलाके में गंदगी ना रहे, इसके प्रयास भी लगातार हो रहे हैं।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु पहुँची जगन्नाथ मंदिर, देशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु राजधानी के गायत्री नगर स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर पहुँची। यहाँ उन्होंने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र जी तथा सुभद्रा जी के दर्शन किये। यहाँ उन्होंने देशवासियों की सुख-समृद्धि एवं निरंतर प्रगति की कामना की। इस अवसर पर राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधायक कुलदीप जुनेजा, विधायक बृजमोहन अग्रवाल, महापौर एजाज ढेबर, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, पूर्व राज्य मुख्य सूचना आयुक्त एम के राउत, जगन्नाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष पुरंदर मिश्रा सहित मंदिर समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट का नया आदेश, विवाह के लिए पुजारी का होना जरूरी नहीं

नई दिल्ली ।सुप्रीम कोर्ट ने नया आदेश जारी करते हुए कहा है कि विवाह के लिए पुजारी का होना जरुरी नहीं है। एससी ने मद्रास हाई कोर्ट के उस फैसले को लेकर यह आदेश जारी किया है कि जिसमें कहा गया था कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत अजनबियों के सामने छिपकर की गई शादी वैध नहीं है। इस फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि शादी एक साधारण समारोह के माध्यम से की जा सकती है जहां दूल्हा और दुल्हन वकील के चैंबर में एक-दूसरे को माला और अंगूठी पहना सकते हैं। दोनों एक दूसरे को स्वीकार करने में किसी भी भाषा, प्रथा, रस्म या अभिव्यक्ति को अपनाएं वो सामाजिक और कानूनी तौर पर मान्य है। न्यायमूर्ति एस. रवींद्र भट्ट और अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि विवाह अधिनियम की धारा 7(ए) के तहत वकील, मित्र, रिश्तेदार, सामाजिक कार्यकर्ता विवाह करा सकते हैं। जस्टिस एस रवींद्र भट्ट और जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ ने अपने फैसले में तमिलनाडु में 1967 से प्रचलित स्वाभिमान विवाह कानून पर भी अपनी मान्यता की मुहर लगा दी। अनुच्छेद 7-ए में कहा गया है कि रिश्तेदारों, दोस्तों या अन्य व्यक्तियों की उपस्थिति में दो हिंदुओं के बीच किया गया कोई भी विवाह वैध है। प्रावधान इस बात पर बल देता है कि वैध विवाह के लिए पुजारी की उपस्थिति की आवश्यकता नहीं है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के 5 मई, 2023 के आदेश के खिलाफ दायर याचिका स्वीकार कर ली, जिसमें नाबालिग लड़की की शादी कराने वाले वकीलों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई थी। पीठ ने यह भी कहा कि ये कानून उन जोड़ों की मदद कर सकता है जो सामाजिक विरोध या खतरे की वजह से अपने विवाह को गोपनीय रखना चाहते हैं। शादी विवाह के लिए समारोह होना, तय विधि पूरी करना या फिर विवाह की सार्वजनिक घोषणा किया जाना आवश्यक नहीं है।

सावरकर संबंधी टिप्पणी पर राहुल गांधी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे : शेलार

मुंबई । भारतीय जनता पार्टी की मुंबई इकाई के अध्यक्ष आशीष शेलार ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी हिंदुत्व विचारक वी डी सावरकर के खिलाफ उनकी टिप्पणी के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगी। राहुल हमेशा कहते रहे हैं कि सावरकर ने जेल से बाहर निकलने के लिए अंग्रेजों से माफी मांगी थी। शेलार ने संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा, ''राहुल गांधी ने लगातार वी डी सावरकर का अपमान किया है। हमारी पार्टी के कार्यकर्ता आज शाम उस स्थान के पास जोरदार विरोध प्रदर्शन करेंगे जहां वह भाषण देंगे।'' अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से मुकाबला करने की रणनीति बनाने और नए सहयोगियों को शामिल करने पर चर्चा के लिए विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की तीसरी बैठक यहां आज दिन में शुरू होगी। राहुल, उन विपक्षी नेताओं में शामिल हैं जो बड़ी संख्या में विपक्षी गठबंधन की बैठक के लिए शहर में उपस्थित रहेंगे। शेलार ने शिव सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर भी कटाक्ष किया और कहा कि वह कहते हैं कि वह सावरकर के कट्टर अनुयायी हैं, लेकिन जब राहुल ऐसे आपत्तिजनक बयान देते हैं तो वह चुप रहते हैं। भाजपा नेता ने आरोप लगाया, ''ठाकरे और उनकी पार्टी के कार्यकर्ता उन लोगों के मेजबान बन गए हैं जो शिवसेना से नफरत करते थे। ये लोग (विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के सदस्य) कई वर्षों तक (शिवसेना संस्थापक) बालासाहेब ठाकरे से नफरत करते रहे थे। वे सभी अब एक साथ आ गए हैं और उद्धव ठाकरे उनकी सेवा कर रहे हैं।''

ओवैसी की सभा में हुई पाक समर्थित नारेबाजी, प्रत्याशी समेत अन्य पर एफआईआर

गिरिडीह । असदुद्दीन ओवैसी की सभा में पाक समर्थित नारेबाजी के चलते एफआईआर दर्ज की गई है। मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के डुमरी उपचुनाव में एआईएमआईएम की सभा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाये गए थे, जिस पर प्रशासन ने एक्शन लिया है। इस मामले में एआईएमआईएम प्रत्याशी समेत अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। उड़नदस्ता दल की ओर से डुमरी थाना में दर्ज शिकायत में एआईएमआईएम प्रत्याशी अब्दुल मोबिन रिजवी और पार्टी के नेता मुजफ्फर हसन नुरानी समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई। इन सभी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। पुलिस टीम की ओर से दर्ज प्राथमिकी में बताया गया है कि चुनावी सभा के दौरान पाकिस्तान के समर्थन में नारेबाजी की गई। यह नारेबाजी उस वक्त की गई आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुसिलमिन प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी खुद भाषण दे रहे थे। भाषण के दौरान दर्शक दीर्घा से पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगने की बात सामने आई है। हालांकि वायरल वीडियो में यह साफ दिख रहा है कि इस तरह की नारेबाजी को देखकर ओवैसी खुद हरकत में आए और उन्होंने हाथ से इशारा कर इस तरह की नारेबाजी करने वाले को रोका और फटकार लगाई। प्रशासन की ओर से दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि भाषण के दौरान रिकॉर्ड वीडियो की जांच के दौरान यह पाया गया कि यह आदर्श आचार संहिता उल्लंघन है। साथ ही यह सांप्रदायिक सद्भावना को बिगाड़ने का प्रयास है। बता दें कि असुदीन ओवैसी पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में डुमरी के हाई स्कूल में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान सभा में मौजूद कुछ समर्थकों ने पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया था। इस मामले को राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने जोर-जोर से उठाया था। भारतीय जनता पार्टी इस तरह के देशद्रोह से जुड़े मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की गई थी। बीजेपी सांसद संजय सेठ ने भी इस तरह की घटना की घोर निंदा की है। संजय सेठ ने कहा है कि हेमंत सोरेन की सरकार में यह पहला मौका नहीं है जब पाकिस्तान समर्थित नारे लगाए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर में किसी भी समय करा सकते हैं चुनाव, केंद्र सरकार पूरी तरह से तैयार

-सुप्रीम कोर्ट को केन्द्र सरकार ने तीन चुनाव कराने की दी जानकारी, सामान्य बताए हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को जम्मू कश्मीर में सामान्य हालातों की जानकारी देते हुए वहां तीन चुनाव करवाने की बात कही है। सरकार ने कहा है कि वह कभी भी चुनाव करवा सकती है। बता दें कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाएं एससी के मामले में केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि वह जम्मू-कश्मीर में किसी भी समय चुनाव के लिए तैयार हैं। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि तीन चुनाव होने हैं। पहली बार त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था लागू की गई है। सबसे पहले चुनाव पंचायतों के होंगे। लेह हिल डेवलपमेंट काउंसिल के चुनाव खत्म हो गए हैं और कारगिल के लिए सितंबर में चुनाव होंगे। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 2018 से 2023 की तुलना में आतंकवादी घटनाओं में 45.2 प्रतिशत की कमी आई है और घुसपैठ में 90 प्रतिशत की कमी आई है। पथराव आदि जैसे कानून और व्यवस्था के मुद्दों में 97 प्रतिशत तथा सुरक्षाकर्मियों की हताहती में 65 प्रतिशत की कमी आई है। 2018 में पथराव की घटनाएं 1,767 थीं, जो अब शून्य हैं। 2018 में संगठित बंद 52 थे और अब यह शून्य है।

इसी बीच अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के खिलाफ याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि सरकार ने 5,000 लोगों को घर में नजरबंद कर दिया है, धारा 144 लगा दी गई है, इंटरनेट बंद कर दिया गया है और लोग अस्पतालों में भी नहीं जा सकते हैं। संविधान पीठ द्वारा अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल को राज्य का दर्जा बहाल करने की समय सीमा के बारे में केंद्र से निर्देश मांगने के आदेश के बाद केंद्र सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा जम्मू-कश्मीर के लिए कोई स्थायी व्यवस्था नहीं है। राज्य को 2019 में दो केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) - जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बदल दिया गया था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, निर्देश हैं - केंद्रशासित प्रदेश कोई स्थायी व्यवस्था नहीं है। लेकिन, मैं परसों (जम्मू-कश्मीर के संबंध में) एक सकारात्मक बयान दूंगा। उन्होंने कहा कि लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश बना रहेगा।

सॉलिसिटर जनरल ने स्पष्ट किया कि वह अदालत के समक्ष बयान देने के लिए और निर्देश मांगने के लिए अटॉर्नी जनरल (एजी) के साथ सरकार में उच्च-स्तरीय पदाधिकारियों से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में इसी तरह का बयान दिया था। मेहता ने गृह मंत्री के भाषण का जिक्र करते हुए कहा, यह कोई स्थायी स्थिति नहीं है, स्थिति सामान्य होने के बाद हम चाहते हैं कि यह फिर से राज्य बने। मेहता ने संविधान पीठ को अवगत कराया कि जम्मू-कश्मीर के इतिहास में पहली बार 2020 में स्थानीय निकायों के चुनाव हुए जिसमें लगभग 34,000 प्रतिनिधि चुने गए। उन्होंने कहा कि धारा 370 हटने के बाद घाटी में कोई हड़ताल, पथराव या कर्फ्यू नहीं है। इससे पहले सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली संविधान पीठ ने टिप्पणी की थी कि पूर्ववर्ती राज्य स्थायी रूप से केंद्र शासित प्रदेश नहीं हो सकता। पीठ ने कहा कि लोकतंत्र की बहाली बहुत महत्वपूर्ण है।

लवली दिल्ली कांग्रेस के नए अध्यक्ष बने

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव से पूर्व कांग्रेस ने दिल्ली में बड़ा बदलाव किया है। पार्टी ने दिल्ली में नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर दिया है। कांग्रेस ने अरविंदर सिंह लवली को दिल्ली कांग्रेस का नया अध्यक्ष बनाया है। अभी अनिल चौधरी के पास ये जिम्मेदारी थी। लवली तत्काल प्रभाव से पार्टी प्रदेश अध्यक्ष बने हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तत्काल प्रभाव से लवली को दिल्ली कांग्रेस का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी निर्वतमान अध्यक्ष अनिल चौधरी के योगदान की सराहना करती है। लवली का जन्म 11 दिसंबर 1968 को हुआ। लवली 1998 में पहली बार दिल्ली की गांधी नगर विधानसभा से विधायक चुने गए। वे 2003, 2008 और 2013 में भी विधायक रहे। दिल्ली की शीला दीक्षित सरकार में लवली मंत्री भी रहे हैं। वे 2013 में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भी रहे हैं। लवली ने अपनी राजनीति की शुरुआत यूथ कांग्रेस से 1990 के दशक में की थी वे 1992 से 1996 तक एनएसयूआई के राष्ट्रीय महासचिव भी रहे। लवली शिक्षा मंत्री, शहरी विकास और राजस्व मंत्री और ट्रांसपोर्ट मंत्री भी रहे। कांग्रेस लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। पार्टी आलाकमान अलग अलग राज्यों के नेताओं के साथ बैठक भी कर रहा है। इसी क्रम में संगठन में बदलाव किए जा रहे हैं। हाल ही में कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में अजय राय को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है।

'इंडिया के पास पीएम पद के लिए कई विकल्प: उद्धव ठाकरे

-शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख बोले-बीजेपी के पास केवल एक

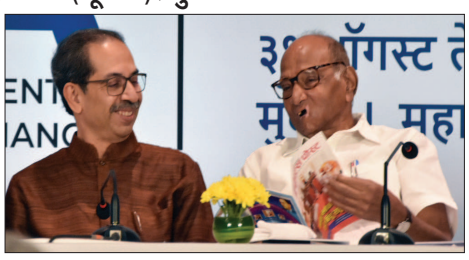

मुंबई (एजेंसी)। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया के पास प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने के लिए कई विकल्प हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास केवल एक ही विकल्प है। यह कहना है शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे का। श्री ठाकरे 'इंडिया की दो दिवसीय बैठक के आयोजन स्थल ग्रैंड हयात होटल में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उद्धव ठाकरे ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'प्रधानमंत्री पद के लिए विकल्प के बारे में सवाल भाजपा से पूछा जाना चाहिए, जिसके पास पिछले नौ वर्षों से केवल एक ही विकल्प है, जो हमने देखा है। 'इंडिया गठबंधन के पास प्रधानमंत्री पद के लिए कई विकल्प हैं। भाजपा के पास क्या विकल्प हैं?' उन्होंने 'रक्षा बंधन' के उपहार के रूप में रसोई गैस की कीमतों में प्रति सिलेंडर 200 रुपये की कटौती करने के फैसले को लेकर भी केंद्र पर कटाक्ष किया। सरकार ने घरों में इस्तेमाल की जाने वाली रसोई गैस की कीमतों में कटौती करने की मंगलवार को घोषणा की थी। उद्धव ठाकरे ने कहा, 'क्या पिछले नौ वर्षों में कोई रक्षाबंधन नहीं था? 'इंडिया (गठबंधन) के आगे बढ़ने पर एलपीजी सिलेंडर मुफ्त दिए जाने लगेंगे। चाहे वे कुछ भी करें, लोग होशियार हैं और सब कुछ समझते हैं।'

मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के आर्थिक परिवर्तन के लिए नीति आयोग के मास्टरप्लान पर एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी केंद्र सरकार के ऐसे किसी भी दखलंदाजी वाले कदम का विरोध करेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्षी गठबंधन के लिए एक संयोजक नियुक्त किया जाएगा, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'बैठक और विचार-विमर्श होने का इंतजार करें।' भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन राजग पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने सवाल किया, 'क्या कोई जानता है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का संयोजक कौन है?'

राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि 31 अगस्त और एक सितंबर को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया की तीसरी बैठक में 28 राजनीतिक दलों के 63 प्रतिनिधि शामिल होंगे। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, पवार ने विश्वास जताया कि विपक्षी गठबंधन राजनीतिक परिवर्तन लाने के लिए एक मजबूत विकल्प प्रदान करेगा। पवार ने कहा कि 'इंडिया में सीट बंटवारे पर कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि राकांपा को लेकर कोई भ्रम नहीं है। पिछले महीने महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल हुए अपने भतीजे अजित पवार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, 'छोड़कर जाने वालों को जनता सबक सिखाएगी।'

बसपा प्रमुख मायावती के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा, ÷यह पता नहीं है कि वह किसके पक्ष में हैं। इससे पहले वह भाजपा के साथ बातचीत कर चुकी हैं।÷पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने कहा कि 2019 में गैर-भाजपा दलों को 23 करोड़ मत मिले, जबकि भाजपा को 22 करोड़ वोट मिले। उन्होंने कहा, 'अगर हम मिलकर काम करें, हम जीत सकते हैं।' पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि विभिन्न विचारधाराओं से जुड़े विपक्षी दलों के गठबंधन का एक साझा उद्देश्य लोकतंत्र की रक्षा करना है।

खुफिया इनपुट, तिब्बत के लोग कर सकते हैं चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिन का विरोध

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पुलिस को खुफिया इनपुट मिला है कि तिब्बत के लोग चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिन का विरोध कर सकते हैं। जी20 समिट के आयोजन में अब एक सप्ताह से कुछ ही अधिक वक्त बचा है। तमाम बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्ष की मौजूदगी को देखते हुए जमीन से लेकर आसमान तक सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। इसी बीच खबर है कि दिल्ली पुलिस को चेन और बोल्ट कटर भी दिए जा रहे हैं ताकि इन उपकरणों का सुरक्षा व्यवस्था में इस्तेमाल किए जा सके। दरअसल धरने पर बैठे लोग अपने आप को जंजीर या हथकड़ी से बांध लेते हैं, ताकि पुलिस उन्हें जल्दी न उठा सके, इसके लिए कटर उपयोगी होता है। मीडिया में आई खबर के मुताबिक इंटेलिजेंस इनपुट मिले हैं कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिन के विरोध में तिब्बत के लोग जी20 समिट के दौरान प्रदर्शन कर सकते हैं। बड़ी संख्या में तिब्बत के लोग दिल्ली में रहते हैं। चीन पर तिब्बत के अवैध कब्जे को देखते हुए माना जा रहा है कि दिल्ली में शी जिनपिन का भारी विरोध हो सकता है। इसी तरह बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के खिलाफ भी विरोध प्रदर्शन संभव है। यही वजह है कि दिल्ली पुलिस ने रास्तों पर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिमी देशों में अक्सर यह देखा गया है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान लोग खुद को ऐसी किसी लोहे की चीज से बांध लेते हैं ताकि पुलिस उन्हें मौके से ना हटा सके और वो वहीं डटे रहकर अपना विरोध जारी रख सकें। ऐसी स्थिति में पुलिस के पास कोई जरिया नहीं होता, जिससे वो इन प्रदर्शन कारियों को तुरंत वहां से हटा पाएं। बोल्ट और चेन कटर की मदद से पुलिस की मंशा तुरंत ऐसी हथकड़ी और लोहे की चीज को काटने की है, ताकि इन जिद्दी प्रदर्शनकारियों को ज्यादा वक्त तक वहां डटे रहने से रोका जा सके। पुलिस आयोजन स्थल के समीप विक्रांत नामक विशेष वाहनों की तैनाती करेगी, जिसमें एंटी-रॉयट्स इक्यूपमेंट मौजूद रहेंगे। वैन्यू के पास छह लोकेशन पर ऐसे ट्रक तैनात किए जाएंगे। इन ट्रकों में 100 पुलिसकर्मियों के लिए उपकरण मौजूद रहेंगे।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री ने तमिलनाडु को कावेरी का पानी देने पर तुरंत रोक की मांग की

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बृहस्पतिवार को मांग की है कि राज्य सरकार तमिलनाडु को कावेरी नदी का पानी देने पर तुरंत रोक लगाये और इस मामले में उच्चतम न्यायालय में अपील दायर कर कानूनी लड़ाई लड़े। भाजपा नेता ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर कर्नाटक में किसानों के हितों और लोगों की पेयजल जरूरतों की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, ''सरकार शुरू से ही कावेरी मुद्दे पर लड़खड़ाती रही है। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के निर्देशानुसार पहले ही रोजाना 10 हजार क्यूसेक (घनफुट प्रति सेकेंड) पानी छोड़ते हुए करीब 15 टीएमसी पानी छोड़ा जा चुका है, लेकिन इसके खिलाफ कोई कानूनी कदम नहीं उठाया गया।'' बोम्मई ने आश्चर्य जताया कि जल संसाधन विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का अब कानूनी विशेषज्ञों के साथ चर्चा करने का क्या मतलब है, जबकि सरकार ने पहले ही सीडब्ल्यूएमए के निर्देश पर प्रतिदिन 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले आदेश के खिलाफ पहले ही उच्चतम न्यायालय में अपील दायर की जानी चाहिए थी, जो अभी तक नहीं की गई है। उन्होंने कहा, ''मैं मांग करता हूं कि पानी छोड़ना तुरंत बंद किया जाना चाहिए और उच्चतम न्यायालय में अपील दायर की जानी चाहिए और मजबूती से कानूनी लड़ाई शुरू की जानी चाहिए। कांग्रेस सरकार कर्नाटक राज्य की पेयजल आवश्यकताओं और किसानों के हितों की रक्षा करने में विफल रही है।'' इससे पहले सीडब्ल्यूएमए ने कर्नाटक को 15 दिनों तक रोजाना 10,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का आदेश दिया था, बाद में कर्नाटक ने प्राधिकरण के आदेश के खिलाफ अपील की और कहा कि कावेरी के जलग्रहण क्षेत्रों में अपर्याप्त बारिश हुई है।

नेहरू की कर्मभूमि फूलपुर से प्रियंका गांधी लड़ सकती हैं लोकसभा चुनाव

-कांग्रेस नई रणनीति के साथ अब पूर्वांचल पर पकड़ बनाने की कर रही कोशिश

प्रयागराज (एजेंसी)। कांग्रेस अपनी नई रणनीति के साथ अब पूर्वांचल पर पकड़ बनाने की कोशिश कर रही है। बताया जा रहा है कि नेहरू की कर्मभूमि रहे फूलपुर से प्रियंका गांधी को चुनाव मैदान में उतारा जा रहा है। यूपी के प्रयागराज में इन दिनों राजनीतिक हलचल के साथ लोकसभा चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं। वहीं, पंडित जवाहरलाल नेहरू के कर्मभूमि रहे फूलपुर को लेकर कयासों का दौर चल रहा है। विपक्षी गठबंधन इंडिया को आकार देने में मुख्य भूमिका निभाने वाले नीतीश कुमार के फूलपुर से चुनावी मैदान में उतरने की अटकलें के बाद अब प्रियंका गांधी का नाम सामने आ गया है। कांग्रेस यहां से प्रियंका गांधी को चुनावी मैदान में उतारने की बात कर रही है। यूपी के राजनीतिक मैदान में कांग्रेस की स्थिति लगातार खराब दिख रही है। यूपी चुनाव 2022 में कांग्रेस 2 फीसदी से कुछ अधिक वोट शेयर हासिल कर सकी और दो सीटों पर पार्टी को जीत मिली। लोकसभा 2019 में भी पार्टी को केवल रायबरेली से सफलता मिली। जहां से सोनिया गांधी ने जीत दर्ज कराई थी।

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर कांग्रेस प्रदेश में नई रणनीति के साथ उतरने की तैयारी कर रही है। पार्टी पूर्वांचल में भाजपा की रणनीति को टक्कर देने के लिए अमेठी से राहुल गांधी, रायबरेली से सोनिया गांधी और फूलपुर से प्रियंका गांधी को चुनावी मैदान में उतरने की योजना तैयार करती दिख रही है। इससे संबंधित प्रस्ताव तैयार कराए जा रहे हैं। कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बनते ही अजय राय ने राहुल गांधी के अमेठी और प्रियंका गांधी के वाराणसी से लोकसभा चुनाव के मैदान में उतरने की घोषणा कर दी। हालांकि, बाद में वे सफाई मोड में नजर आए। उन्होंने कहा कि वे इसके लिए दोनों नेताओं को मनाएंगे। यूपी में कांग्रेस इंडिया के बैनर तले ही चुनावी मैदान में उतर सकती है। ऐसे में पार्टी की कोशिश अधिक से अधिक सीटों पर अपना दावा करने की होगी।

जानकार बता रहे हैं कि यूपी के राजनीतिक मैदान में चुनाव को लेकर एक अलग माहौल दिख रहा है। पूर्वांचल में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए ओमप्रकाश राजभर, दारा सिंह चौहान जैसे ओबीसी चेहरों को अपनी तरफ किया है। इसके अलावा पार्टी पसमांदा मुस्लिम के मुद्दे को उठाकर इस वर्ग के वोट बैंक में भी सेंधमारी की कोशिश करती दिख रही है। ऐसे में समाजवादी पार्टी पूर्वांचल में अकेली नजर आ रही है। यूपी विधानसभा चुनाव के दौरान पूर्वांचल में जब समाजवादी पार्टी के साथ ओमप्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और अपना दल कमेरावादी का साथ था, तो गठबंधन ने कई सीटों पर एनडीए को कड़ी टक्कर दी थी। कांग्रेस इस पूरे इलाके में अपने बड़े चेहरों को उतारकर पकड़ को बढ़ाने की कोशिश में है।

इसरो का सूर्य मिशन तैयार, 2 सितंबर को श्रीरिकोटा से होगी आदित्य एल-1 की लांचिंग

-चार माह तक सफर पर रहेगा यान, पृथ्वी से 1.5 मिलियन किमी दूर 'हेलो कक्षा' में होगा स्थापित

बेंगलुरु (एजेंसी)। इसरो का पहला सौर मिशन, आदित्य एल1 आगामी 2 सितंबर को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से लॉन्च होने वाला है। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की हालिया सॉफ्ट लैंडिंग की उल्लेखनीय उपलब्धि के बाद, अंतरिक्ष यान को सुबह 11.50 बजे लॉन्च किया जाना है। आदित्य एल1 मिशन के साथ इसरो का उद्देश्य अंतरिक्ष यान को पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किमी दूर स्थित सूर्य-पृथ्वी प्रणाली में लैग्रेंज बिंदु 1 (एल1) के आसपास 'हेलो कक्षा' के भीतर स्थापित करना है। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि मिशन के माध्यम से, इसरो वास्तविक समय में स्पेस वेदर पर सौर गतिविधियों के प्रभाव का अध्ययन करेगा। मिशन के अन्य प्रमुख उद्देश्यों में कोरोनल हीटिंग, कोरोनल मास इजेक्शन, प्री-फ्लेयर और फ्लेयर गतिविधियों और उनकी विशेषताओं, गतिशीलता, स्पेस वेदर, पार्टिकल्स और फील्ड के प्रसार आदि को समझना भी शामिल है। पृथ्वी से 1.5 मिलियन किलोमीटर की दूरी तय करने में लगभग 4 महीने लगेंगे। अंतरिक्ष यान को शुरुआत में पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया जाएगा। इसके बाद, कक्षा को और अधिक इलिप्टिकल बनाया जाएगा।

एल1 की ओर यात्रा करते समय, आदित्य एल1 पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र से बाहर निकल जाएगा। एक बार इससे बाहर निकलने के बाद, इसका 'क्रूज स्टेप' शुरू हो जाएगा और अंतरिक्ष यान को एल1 के चारों ओर एक बड़ी प्रभामंडल कक्षा में स्थापित किया जाएगा। लैग्रेंज बिंदु अंतरिक्ष में विशिष्ट स्थानों का प्रतिनिधित्व करते हैं जहां सूर्य और पृथ्वी जैसे दो खगोलीय पिंडों के गुरुत्वाकर्षण बल गुरुत्वाकर्षण संतुलन के क्षेत्र उत्पन्न करते हैं। इन बिंदुओं के भीतर, एक अंतरिक्ष यान निरंतर ईंधन खपत की आवश्यकता के बिना स्थिर स्थिति बनाए रख सकता है। पृथ्वी-सूर्य विन्यास जैसी प्रणालियों में, एल1 से एल5 के रूप में नामित पांच लैग्रेंज बिंदु मौजूद हैं। इनमें से, एल1 और एल2, जो पृथ्वी के सबसे निकट स्थित हैं, अवलोकन संबंधी जांच करने के लिए लाभप्रद हैं।

इसरो के पहले सौर मिशन के प्रमुख उद्देश्यों में जो अध्ययन शामिल हैं उनमें सौर ऊपरी वायुमंडलीय (क्रोमोस्फीयर और कोरोना) गतिशीलता का अध्ययन करना; क्रोमोस्फेरिक और कोरोनल हीटिंग का अध्ययन, आंशिक रूप से आयनित प्लाज्मा की भौतिकी का अध्ययन, कोरोनल द्रव्यमान इजेक्शन और फ्लेयर्स की शुरुआत, सूर्य से कण गतिशीलता के अध्ययन के लिए डेटा प्रदान करने वाले इन-सीटू पार्टिकल्स और प्लाज्मा वातावरण का अवलोकन करना; और सौर कोरोना और उसके तापन तंत्र की भौतिकी का अध्ययन करना है।

बहुमंजिला इमारत में लगी भयानक आग, 63 लोगों की मौत, कई घायल

जोहानिसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के शहर जोहानिसबर्ग में एक बहुमंजिला इमारत में आग लगने से 63 लोगों की मौत होने की सूचना मिली है। आगजनी में 43 अन्य लोग बुरी तरह से झुलस गए। आपातकालीन प्रबंधन सेवा ने कहा कि आग लगने की घटना बृहस्पतिवार को तड़के हुई जिसमें यहा हादसा हुआ। प्रवक्ता रॉबर्ट मुलौदज़ी ने कहा कि राहत और बचाव अभियान जारी है तथा मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। आग पर काफी हद तक नियंत्रण कर लिया गया है, लेकिन काली पड़ चुकी इमारत की खिड़कियों से अब भी धुआं निकल रहा है। दक्षिण अफ्रीका के सार्वजनिक प्रसारक एसएबीसी ने कहा कि जोहान्सबर्ग में स्थित यह इमारत पांच मंजिला थी। हालांकि अभी भी आग बुझाने के प्रयास जारी हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में एक इमारत की निचली मंजिल पर विशाल नारंगी रंग की आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। बड़ी संख्या में लोग बाहर की ओर भागते हुए दिख रहे हैं। आपातकालीन सेवाओं के प्रवक्ता रॉबर्ट मुलौदज़ी ने कहा कि कई लोगों का इलाज किया जा रहा है और कुछ को स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में ले जाया गया है। आग लगने का कारण अभी तक ज्ञात नहीं है। बताया जा रहा है कि आग लगने की वजह भूकंप हो सकता है। बचावकर्मी लगातार लोगों को निकालने के लिए तलाशी अभियान चला रहे हैं। मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल है। सभी घायलों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक इस इमारत में 200 से अधिक लोग रहते थे।

अंतरिम वित्तमंत्री का कबूलनामा,पाकिस्तान की वित्तीय हालत उम्मीद से ज्यादा खराब

इस्लामाबाद । बिजली बिल बढ़ने के खिलाफ पूरे पाकिस्तान में विरोध प्रदर्शन होने के बीच अंतरिम वित्तमंत्री शमशाद अख्तर ने कहा कि देश की आर्थिक स्थिति 'अनुमान से कहीं ज्यादा खराब' है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के साथ जताई गई प्रतिबद्धताओं के कारण लोगों के बोझ को कम करने के लिए सब्सिडी देने की कोई 'राजकोषीय गुंजाइश' नहीं है। पाकिस्तान ने जून में आईएमएफ से सख्त शर्तों के तहत तीन अरब डॉलर का महत्वपूर्ण ऋण प्राप्त किया। इन शर्तों में बिजली शुल्क बढ़ाना और सभी सब्सिडी को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार सीनेट (उच्च सदन) की स्थायी समिति की बैठक में वित्त मंत्री ने कहा कि देश की आर्थिक स्थिति 'अनुमान से कहीं ज्यादा खराब' है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के साथ जताई गई प्रतिबद्धताओं के कारण लोगों के बोझ को कम करने के लिए सब्सिडी देने की कोई 'राजकोषीय गुंजाइश' नहीं है। पाकिस्तान के विभिन्न शहरों में बिजली के बढ़े हुए बिलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और लोग राहत की मांग कर रहे हैं।

यूक्रेन के ड्रोन हमले में चार रूसी आईएल-76 परिवहन विमान हुए ध्वस्त

कीव । यूक्रेन का रूस पर हवाई हमला जारी है। इसी बीच यूक्रेन ने कहा है कि पश्चिमी रूस के प्सकोव हवाई अड्डे पर हुए ड्रोन हमले के दौरान चार आईएल-76 परिवहन विमान ध्वस्त हो गए। यूक्रेन की सैन्य खुफिया के प्रवक्ता एंड्री युसोव ने मीडिया को बताया कि बुधवार को चार आईएल-76 नष्ट हो गए और कुछ और विमान क्षतिग्रस्त हो गए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने यह नहीं बताया कि हमले के लिए यूक्रेन जिम्मेदार है या नहीं। इससे पहले बुधवार को रूसी मीडिया ने रूसी आपातकालीन स्थिति मंत्रालय का हवाला देते हुए खबर दी थी कि प्सकोव हवाई अड्डे पर ड्रोन हमले के दौरान आईएल-76 परिवहन विमान क्षतिग्रस्त हो गया था। प्सकोव क्षेत्र के गवर्नर मिखाइल वेदर्निकोव ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कोई हताहत नहीं हुआ और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। हालांकि हवाई अड्डे की वेबसाइट के अनुसार, ड्रोन हमले के समय रूस की 334वीं सैन्य परिवहन विमानन रेजिमेंट हवाई अड्डे पर तैनात थी। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने बुधवार को एक साप्ताहिक ब्रीफिंग में कहा कि यूक्रेन पश्चिम से प्राप्त उपग्रह डेटा के बिना रूसी क्षेत्र के अंदर लक्ष्य को हिट करने में सक्षम नहीं होता। ज़खारोवा ने चेतावनी दी कि यूक्रेन की हरकतों को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं कीव के हालिया ड्रोन हमलों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि रूसी सैन्य विशेषज्ञ भविष्य में ऐसी स्थितियों को रोकने के लिए ड्रोन के लॉन्च मार्गों की जांच कर रहे हैं और मॉस्को सभी आवश्यक उपाय करेगा। यूक्रेन ने रात भर में सात रूसी ठिकानों पर ड्रोन हमले किए।

दुनिया को परमाणु मुक्त करना है तो परीक्षण पर प्रतिबंध लगाना महत्वपूर्ण कदम

जिनेवा । दुनिया को परमाणु हथियारों से मुक्त बनाना है तो परीक्षण पर प्रतिबंध ही महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि परमाणु परीक्षण पर प्रतिबंध परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया की दिशा में एक बुनियादी कदम है। 29 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु परीक्षण विरोधी दिवस पर एक संदेश में गुटेरेस ने कहा, परमाणु परीक्षणों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रतिबंध परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया की दिशा में एक मौलिक कदम है। गुटेरेस ने कहा कि परमाणु परीक्षण के सभी पीड़ितों के नाम पर, मैं उन सभी देशों से, जिन्होंने अभी तक व्यापक परमाणु परीक्षण संधि (सीटीबीटी) को मंजूरी नहीं दी है, बिना किसी शर्त के तुरंत ऐसा करने का आह्वान करता हूं। आइए परमाणु परीक्षण हमेशा के लिए बंद करें। गुटेरेस ने कहा, 1945 के बाद से, 2,000 से अधिक परमाणु परीक्षणों ने लोगों को भयानक पीड़ा पहुंचाई है, हवा में जहर घोला है और पर्यावरण को तबाह कर दिया है। उन्होंने कहा कि परमाणु परीक्षण के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर दुनिया इस विनाशकारी विरासत को खत्म करने के लिए एक स्वर से बोलती है। गुटेरेस ने चेतावनी दी कि इस वर्ष, हम वैश्विक अविश्वास और विभाजन में चिंताजनक वृद्धि देख रहे हैं। ऐसे समय में जब दुनिया भर में लगभग 13 हजार परमाणु हथियार जमा हैं, सभी देशों को शांति का प्रयास करना चाहिए।

चीनी कंपनी बायडू ने एआई युक्त चैटबॉट 'एर्नी बॉट' को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया

चीनी सर्च इंजन और कृत्रिम मेधा (एआई) कंपनी बायडू ने चैटजीपीटी के समकक्ष अपने मॉडल को बृहस्पतिवार को जनता को पूर्ण रूप से उपलब्ध कराया। कंपनी के इस ऐलान से उसके शेयर की कीमत तीन फीसदी से अधिक बढ़ गईं। संयुक्त राज्य अमेरिका से प्रतिद्वंद्विता के लिए बीजिंग कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एक प्रमुख उद्योग के रूप में देखता है और 2030 तक इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व करने का लक्ष्य रखता है। अमेरिकी कंपनी ओपेन-एआई की ओर से चर्चित चैटजीपीटी की शुरुआत किये जाने के बाद चीन की प्रौद्योगिकी कंपनियां भी अपने-अपने एआई मॉडल को उद्घाटित करने की दौड़ में कूद पड़ी हैं जिसमें अल्गोरिद्म की मदद से नयी सामग्री तैयार की जा सकती है। बायडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि एर्नी बॉट आधिकारिक वेबसाइट और एक ऐप के माध्यम से आम जनता के लिए पूरी तरह से उपलब्ध है जो अभी तक केवल चीन के ऐप स्टोर में उपलब्ध था। एर्नी बॉट उपयोगकर्ताओं द्वारा दिए गए प्रश्नों और संकेतों के जवाब में पाठ और छवियां मुहैया कराता है। मुफ्त में उपलब्ध एर्नी बोट ऐप बृहस्पतिवार अपराह्न तक चीन में एप्पल के आईओएस स्टोर के चार्ट में शीर्ष पर पहुंच गया।

29 अक्टूबर को पूरी दुनिया में बिजली गुल होगी, शख्स ने भविष्य देखने का किया दावा

वॉशिंगटन। अपने भविष्य बताने वाले बहुत से लोगों को देखा होगा, लेकिन आजकल विदेशों में टाइम ट्रैवेलर्स की कहानियां चर्चा में हैं। ये वे लोग होते हैं, जो खुद ही दावा करते हैं कि वे सैकड़ों साल आगे की दुनिया देखकर वापस लौटे हैं और उन चीजों की भविष्यवाणी करते हैं, जो आने वाले वक्त में होने जा रही हैं। इनदिनों सोशल मीडिया पर एक इसतरह के ही शख्स की भविष्यवाणी सामने आई, जो वायरल हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक एनो एलैरिक नाम के एक इसतरह के टाइम ट्रैवेलर ने दावा किया है कि वहां साल 2671 की तस्वीर देखकर आया है। शख्स ने अपने आपको खुद ही भविष्य देखने वाला बताकर कहा है कि अक्टूबर, 2023 में कुछ ऐसा होने वाला है, जो लोगों की ज़िंदगी को सीधे तौर पर प्रभावित कर रहा है। खुद को भविष्य देखने वाला बताने वाले एनो एलैरिक ने दावा किया है कि इस साल अक्टूबर के महीने में कुछ ऐसा होने वाला है, जो दुनिया भर के लोगों को अंधेरे में डुबा देगा। अक्टूबर महीने की 29 तारीख को एक सौर तूफान धरती से टकराएगा और इसकी वजह से पूरी दुनिया में बिजली गुल हो जाएगी।

लंदन में सांभा डांसर पारंपरिक नाटिंग हिल कार्निवल में भाग लेते हुए।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने ग्रांट शाप्स को नया रक्षामंत्री नियुक्त किया

लंदन। ब्रिटिश मंत्रिमंडल में प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के सबसे प्रबल समर्थकों में से एक ग्रांट शाप्स को बृहस्पतिवार को ब्रिटेन का नया रक्षा मंत्री नामित किया गया। इसके साथ ही सुनक ने अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले मंत्रिमंडल में मामूली फेरबदल किया। इससे पहले दिन में बेन वालेस ने औपचारिक रूप से रक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पिछले महीने ही इस्तीफा देने की अपनी योजना की घोषणा की थी। वह चार साल तक इस पद पर रहे और इस दौरान उन्होंने यूक्रेन में युद्ध के लिए सैन्य प्रतिक्रिया की कमान भी संभाली थी। पिछले साल कंजर्वेटिव पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री पद के लिए सुनक के अभियान के दौरान उनका समर्थन करने वाले शाप्स 2019 से मंत्रिमंडल के सदस्य हैं। वह हाल ही में ऊर्जा सुरक्षा और नेट जीरो विभाग के लिए मंत्री के तौर पर कार्यरत थे। रक्षा मंत्री का नया पद एक वर्ष के भीतर मंत्री के तौर पर उनका पांचवां पद होगा, वे पहले परिवहन मंत्री और कुछ समय के लिए गृह मंत्री के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। प्रधानमंत्री के साथ 10 डाउनिंग स्ट्रीट में मुलाकात के बाद 54 वर्षीय शाप्स ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'ऋषि सुनक द्वारा रक्षा मंत्री नियुक्त किये जाने पर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं पिछले चार वर्षों में ब्रिटेन की रक्षा और वैश्विक सुरक्षा में बेन वालेस द्वारा दिए गए जबरदस्त योगदान की सराहना करना चाहता हूं।'

एस्ट्रोनॉट्स के स्वास्थ्य पर क्यों पड़ते है उलटे प्रभाव

-बीमारियां कर सकती हैं हमला

लंदन (एजेंसी)। क्या आप जानते हैं कि इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों के साथ ही बाकी सभी एस्ट्रोनॉट्स जब अंतरिक्ष में होते हैं तो उनके स्वास्थ्य पर कई तरह के उलटे प्रभाव पड़ते हैं। उनकी रोगप्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर पड़ जाती है। इसके अलावा उनको कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं को झेलना पड़ता है।

हालांकि, स्पेस में समय बिताने के बाद जब वे धरती पर लौटते हैं तो उनकी सेहत फिर से ठीक हो जाती है।नए शोध के मुताबिक, अंतरिक्ष यात्रा इंसानों के लिए एक मुश्किल अनुभव होता है।सबसे पहले कॉस्मिक विकिरण की बौछारों से एस्ट्रोनॉट्स का शरीर हिल जाती है।इसके बाद जीरो ग्रैविटी शरीर में मौजूद तरल पदार्थों और इंसान के ब्लड प्रेशर में उथल-पुथल पैदा कर देता है।वहीं, एस्ट्रोनॉट्स को बहुत ही संकुचित यानी छोटी सी जगह में रहना पड़ा है।इससे उनके शरीर पर अलग ही तरह का पड़ता है।

एस्ट्रोनॉट्स को लंबे मानसिक दबाव के दौर से भी गुजरना पड़ता है।इस दौरान इस तनाव को कम करने के लिए उनके आसपास कोई होता भी नहीं है।इसमें दोस्तों और परिवार से दूर रहना भी उनके मानसिक स्वास्थ्य पर काफी असर डालता है।सबसे ज्यादा सेहतमंद लोगों को ही अंतरिक्ष यात्रा पर भेजा जाता है।उन्हें अंतरिक्ष के हालात में सहज रहने के लिए कई साल का सख्त और कड़ा प्रशिक्षण भी दिया जाता है।इसके बाद भी जब वे अंतरिक्ष में पहुंचते हैं तो उनकी सेहत जवाब दे देती है।अंतरिक्ष में उन्हें कई स्वास्थ्य समस्याओं को झेलना पड़ता है।अब इन स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान होने के बाद चिकित्सा क्षेत्र में एक नई शाखा शुरू कर दी गई है।इसे स्पेस हेल्थ कहा जा रहा है।स्पेस हेल्थ रिसर्च के जरिये पता चल है कि अंतरिक्ष की कम और लंबी अवधि की उड़ानों से शरीर के हर तंत्र पर असर पड़ता है। इसमें हृदय, रक्त संचार, पाचन, मांसपेशियां, हड्डियों से जुड़े तंत्र और रोगप्रतिरोधी प्रणाली तक शामिल हैं।

नए शोध की रिपोर्ट कहती है कि अंतरिक्ष में ज़ीरो ग्रैविटी के कारण स्वास्थ्य की देखभाल करना बहुत ही मुश्किल काम बन जाता है।मान लीजिए कि अगर किसी एस्ट्रोनॉट को अंतरिक्ष उड़ान के दौरान हार्ट अटैक पड़ जाए तो छाती पर दबाव देने में मददगार किसी ठोस और कड़ी जमीन के बिना सीपीआर देना नामुमकिन है।धरती पर सीपीआर फर्श पर लिटाकर दिया जाता है।वहीं, अंतरिक्ष में हर चीज तैरती है तो दबाव देकर हृदय की धड़कनें लौटाना करीब-करीब नामुमकिन हो जाता है।डीडब्ल्यू की रिपोर्ट के मुताबिक, कोलोन मेडिकल कॉलेज के स्पेस हेल्थ रिसर्चर योखन हिंकेलबाइन का कहना है कि हर अंतरिक्ष यात्री के लिए स्पेस में सीपीआर देना बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी है।

बता दें कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के चंद्रयान-3 ने 23 अगस्त 2023 को चांद के दक्षिणी हिस्से में लैंड कर इतिहास रच दिया। भारत चांद के इस हिस्से में उतरने में सफल रहने वाला पहले देश बन गया।लेकिन, कई दशक पहले ही अमेरिका ने चांद पर अंतरिक्ष यात्रियों को उतारकर ऐसा काम कर दिया था, जिसे अब तक कोई देश नहीं दोहरा पाया है। हालांकि, अंतरिक्ष यात्रियों का स्पेस ट्रैवल करना जारी है।

चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग भी जी-20 सम्मेलन से बना सकते हैं दूरी : रिपोर्ट

बीजिंग (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बाद अब चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग भी जी-20 सम्मेलन से दूरी बना सकते हैं। मिली जानकारी के अनुसार उनके स्थान पर चीन के पीएम ली कियांग आ सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक दो शीर्ष भारतीय अधिकारियों ने कहा है कि चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग 9 से 10 सितंबर तक दिल्ली में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में चीन का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। इन भारतीय अधिकारियों में से एक तो चीन में मौजूद राजनयिक हैं। चीन और भारत दोनों के विदेश मंत्रालय ने अभी इस पर कोई बयान नहीं दिया है। दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन को एक ऐसे स्थल के रूप में देखा जा रहा था जहां शी जिनपिंग और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन मुलाकात कर सकते थे। बाइडन ने ऐलान किया है कि वह जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। अमेरिका और चीन दोनों ही व्यापार और भूराजनीतिक तनाव के बीच अपने रिश्तों को स्थिर बनाना चाहते हैं। शी जिनपिंग और बाइडन के बीच आखिरी बार मुलाकात पिछले साल नवंबर महीने में बाली में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी।

बता दें कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि वह जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे। पुतिन ने इस बारे में पीएम मोदी से बात भी की है। पुतिन की जगह पर रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव दिल्ली आएंगे। भारत सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमें इसकी जानकारी है कि शी जिनपिंग की जगह पर चीन के प्रधानमंत्री भारत आएंगे। चीन में भी दो विदेशी राजनयिकों और एक सरकारी अधिकारी ने कहा है कि शी जिनपिंग जी-20 में हिस्सा नहीं लेंगे। चीन के राष्ट्रपति ऐसे समय पर भारत नहीं आ रहे हैं जब चीन ने नया नक्शा जारी किया है जिसको लेकर भारत ने बहुत करारा जवाब दिया है।

इससे दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। वहीं चीन में मौजूद सूत्रों का कहना है कि उन्हें शी जिनपिंग के भारत नहीं आने की वजह के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। पुतिन जहां भारत नहीं आ रहे हैं, वहीं वह चीन जा रहे हैं और शी जिनपिंग के साथ मुलाकात करेंगे। हाल ही में संपन्न हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी और शी जिनपिंग के बीच सीमा पर तनाव को कम करने के लिए बातचीत हुई थी। हालांकि बाद में चीन ने दावा किया कि यह भारत के अनुरोध पर बातचीत हुई थी।

कंगाल पाकिस्तान में मालामाल होना चाहते हैं राष्ट्रपति अल्वी

-सैलरी बढ़ने के लिए लिखा पत्र

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान इन दिनों आर्थिक संकट से परेशान है। महंगाई ने कमर तोड़ दी है। पेट्रोल डीजल की कीमतों में बेहताशा बढ़ोतरी हो रही है। बिजली बिलों को लेकर जनता सड़कों पर उतर आई। बढ़ती महंगाई के बीच पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी मालामाल होना चाहते हैं। राष्ट्रपति अल्वी अपने वेतन में बढ़ोतरी चाहते हैं। आधिकारिक दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि राष्ट्रपति ने फिर से वेतन वृद्धि की मांग की है, पहली बार 1 जुलाई 2021 से और दूसरा 1 जुलाई 2023 से। अभी राष्ट्रपति का मासिक वेतन 846,550 रुपए है। वे जुलाई 2021 और जुलाई 2023 से दो चरणों में 1024325 रुपए और 1229190 रुपए प्रति महीने की सैलरी चाहते हैं।

राष्ट्रपति सचिवालय ने महीने की शुरुआत में अपने सैन्य सचिव के माध्यम से कैबिनेट सचिव को लिखे पत्र में राष्ट्रपति के वेतन भत्ते और विशेषाधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2018 की चौथी अनुसूची में राष्ट्रपति के वेतन की अनुमति देने के लिए संशोधन की इच्छा जाहिर की है। राष्ट्रपति सचिवालय के पत्र में राष्ट्रपति की मांग को उचित ठहराया गया। पत्र में कहा गया है कि इस अवधि में पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश का वेतन भी दो बार बढ़ाया गया था। राष्ट्रपति सचिवालय ने अपने पत्र में लिखा, चीफ जस्टिस की सैलरी में 2021 से लेकर 2023 तक की अवधि तक में सैलरी में दोगुना इजाफा हुआ। यह सैलरी राष्ट्रपति के आदेश पर बढ़ाई गई। चीफ जस्टिस की सैलरी 01 जुलाई 2021 से 1,024,324 लाख रुपये प्रति महीना और 1 जुलाई 2023 से 1,229,189 प्रति महीना हुआ। हालांकि, राष्ट्रपति का वेतन किसी भी सार्वजनिक पद धारक यानी पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश के वेतन से एक रुपये अधिक के निर्धारित सिद्धांत के संबंध में नहीं बढ़ाया गया था।

राष्ट्रपति सचिवालय की सिफारिश के बाद सचिव कैबिनेट ने मामले को पाकिस्तान के कानून मंत्रालय को भेज दिया है। मामला वित्त विभाग को भी भेजा गया, वित्त विभाग ने 22 अगस्त को राष्ट्रपति (वेतन, भत्ते और विशेषाधिकार) अधिनियम, 1975 की चौथी अनुसूची में संशोधन के माध्यम से राष्ट्रपति के वेतन में प्रस्तावित वृद्धि का भी समर्थन किया। उम्मीद है कि मामला मंजूरी के लिए कैबिनेट के समक्ष पेश होगा। बताया जा रहा है कि अगर राष्ट्रपति की सैलरी में बढ़ोतरी को मंजूरी मिलती है, तब उन्हें बड़ी बकाया राशि मिलेगी।

चीन के नए नक्शे पर नेपाल में विवाद गहराया, ओली ने मैप को किया खारिज

काठमांडू (एजेंसी)। चीन के नए नक्शे पर अब नेपाल में भी विवाद गहरा गया है। नेपाल के पीएम ओली ने चीन के नक्शे को सिरे से खारिज कर दिया है। बता दें कि चीन ने अपने नक्शे में नेपाल के साल 2020 में जारी किए गए राजनीतिक नक्शे को मान्यता नहीं दी है। इससे पहले भारत ने भी नेपाल के इस नए नक्शे को खारिज कर दिया था। नेपाल की तत्कालीन केपी ओली सरकार ने चीनी राजदूत के इशारे पर भारत के नए राजनीतिक नक्शे के जवाब में अपना नया नक्शा जारी किया था। इसमें ओली सरकार ने कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा को नेपाल का इलाका दिखाया था। वह भी तब जब यह पूरा इलाका वर्षों से भारत के कंट्रोल में है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत और चीन दोनों ही पड़ोसी देशों के नेपाल के नए नक्शे को खारिज करने से इसकी वैधता पर अब बड़ा संदेह पैदा हो गया है। चीन ने अपने नए नक्शे में कालापानी के पूरे इलाके को नेपाल का नहीं माना है। इससे पहले चीनने देश का नया नक्शा जारी किया था जिसे देश के प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय ने बनाया है। इसमें भारत के अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चिन को चीन का बताया गया है। भारत ने चीन के इस नक्शे को पूरी तरह खारिज कर दिया है। भारत ने चीनी राजदूत से भी कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

भारत ने जहां चीन से अपना विरोध जता दिया है, वहीं नेपाल सरकार अब बुरी तरह से फंसी हुई है। उसे सूझ नहीं रहा है कि चीन की इस चाल का कैसे जवाब दिया जाए। वहीं केपी ओली सरकार में विदेश मंत्री रह चुके प्रदीप ग्यवली कहते हैं, जिस तरह से हमने भारत से साल 2019 में नए नक्शे के जारी करने पर विरोध जताया था। ठीक उसी तरह से हमें चीन से इसका विरोध दर्ज कराके उनसे स्पष्टीकरण मांगना चाहिए। उन्होंने कहा कि नेपाल ने अपने नए नक्शे को जारी करने से पहले चीन को इसकी सूचना दी थी। चीन के नेपाल के पुराने नक्शे के इस्तेमाल से काठमांडू में कई नेता हैरान हैं। प्रदीप ग्यवली कहते हैं कि हमारा भारत के साथ सीमा विवाद है लेकिन हमारा चीन के साथ कोई लंबित विवाद नहीं है। अगर चीन हमारे नए नक्शे को मान्यता देने से इंकार करता है तो यह बहुत गंभीर मामला है और प्रचंड सरकार को हमारे पड़ोसी देश चीन से स्पष्टीकरण मांगना चाहिए। इससे पहले भारत ने नेपाल के नए नक्शे को कड़ाई से नकार दिया था। नेपाल के एक अन्य नेता और पूर्व विदेश मंत्री रमेश नाथ पांडे ने इस बात पर हैरानी जताई कि चीन ने भी नेपाल के नए नक्शे को खारिज कर दिया है। अगर चीन नेपाल के नए नक्शे को मान्यता नहीं देता है तो यह गंभीर मामला है।

पाकिस्तान चुनाव आयोग ने मध्य फरवरी तक आम चुनाव कराने का दिया आश्वासन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान चुनाव आयोग ने चुनाव के बारे में आशंकाएं दूर करने का प्रयास करते हुए राजनीतिक दलों को आश्वासन दिया है कि जनवरी के अंत तक या मध्य फरवरी में आम चुनाव कराये जायेंगे। डॉन अखबार ने बृहस्पतिवार को खबर दी कि पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने आवामी नेशनल पार्टी (एएनपी) के नेताओं को यह आश्वासन दिया। बुधवार को एएनपी के नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त सुल्तान राजा के साथ बैठक की। उस दौरान आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। एएनपी के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई उसके महासचिव इफ्तिकार हुसैन ने की और पार्टी के प्रवक्ता जाहिद खान एवं पार्टी नेता खुशदिल खान और अब्दुल रहीम वजीर उसके अन्य सदस्य थे।

पाकिस्तान की नेशनल एसेम्बली नौ अगस्त को भंग कर दी गयी थी। नेशनल एसेम्बली के भंग होने के 90 दिनों की निर्धारित अवधि में चुनाव कराया जाना जरूरी होता है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने मध्य अगस्त में अनवर-उल-हक काकड़ को नया चुनाव होने तक देश को चलाने के लिए कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। लेकिन चुनाव आयोग ने नयी जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का नये सिरे से परिसीमन कराने का फैसला किया जिससे आम चुनाव में देरी की आशंका हुई। चुनाव के रोडमैप पर चर्चा के लिए आयोग और एएनपी प्रतिनिधियों के बीच बैठक के दौरान एएनपी ने अनुरोध किया कि यदि 90 दिनों के अंदर चुनाव कराया जाना व्यावहारिक नहीं है तो कम से कम उन्हें चुनाव की तारीख और कार्यक्रम की सूचना दे दी जाए। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने भी आगामी चुनाव के बारे में अनिश्चितता दूर करने के लिए एक दिन पहले ऐसी ही मांग की थी।

अमेरिकी सेना की योजना अगले दो साल में हजारों स्वायत्त युद्ध-रोबोट तैयार करने की

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की उप रक्षा मंत्री कैथलीन हिक्स ने सोमवार को अपने एक भाषण में घोषणा की कि उनके देश की सेना चीन की बढ़ती ताकत को देखते हुए अगले दो वर्षों में हजारों स्वायत्त हथियार प्रणालियों का उपयोग शुरू करने की योजना बना रही है। अमेरिका की रेप्लिकेटर पहल का उद्देश्य सेना की सभी शाखाओं के लिए अत्यधिक संख्या में किफायती प्रणालियों का उत्पादन करने के वास्ते रक्षा और अन्य तकनीकी कंपनियों के साथ समन्वय करना है। पिछले करीब एक दशक के आसपास विभिन्न स्तरों में स्वतंत्र संचालन के लिए सक्षम सैन्य प्रणालियाँ तेजी से सामान्य हुई हैं। लेकिन अमेरिकी घोषणा स्पष्ट करती है कि युद्ध का भविष्य बदल गया है - लड़ाके रोबोट का दौर आ गया है। विचार को हकीकत में बदलने का समय आ गया है बीते दशक में, सैन्य उद्देश्यों के लिए उन्नत रोबोटिक प्रणालियों का खासा विकास हुआ है। इनमें से कई तो परिवर्तित वाणिज्यिक प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं, जो स्वयं अधिक सक्षम, सस्ती और व्यापक रूप से उपलब्ध हो गई है।

हाल ही में, ध्यान इस बात पर प्रयोग करने पर केंद्रित हो गया है कि युद्ध में इनका सर्वोत्तम उपयोग कैसे किया जाए। यूक्रेन में रूस के युद्ध ने दिखा दिया है कि वास्तविक दुनिया में तैनाती के लिए प्रौद्योगिकी तैयार है। बख्तरबंद वाहनों और तोपखाने का पता लगाने और उन पर हमला करने के लिए रोबोट हवाई वाहन का व्यापक रूप से उपयोग किया गया है। यूक्रेनी नौसेना के हमलावर ड्रोनों ने रूस के काला सागर बेड़े को पंगु बना दिया है, जिससे उनके युद्धपोत बंदरगाह से आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। कभी सैन्य रोबोट के बारे में सोच विचार होता था लेकिन अब इनका समय आ गया है। हर जगह रोबोट अपने भाषण में, अमेरिका की उप रक्षा मंत्री हिक्स ने युद्ध लड़ने के तरीके बदलने की तत्काल आवश्यकता रेखांकित की। उन्होंने घोषणा की कि नया रेप्लिकेटर प्रोग्राम अगले 18 से 24 महीनों के भीतर कई डोमेन में हजारों की संख्या में जिम्मेदार स्वायत्त प्रणालियों को पेश करेगा। 'स्वायत्त' का अर्थ एक ऐसा रोबोट है जो मानव हस्तक्षेप के बिना जटिल सैन्य अभियानों को अंजाम दे सकता है।

'एट्रिटेबल' का अर्थ है कि रोबोट इतना सस्ता है कि उच्च प्राथमिकता वाले मिशन में इसे जोखिम में डालने तथा खोने का खतरा मोल लिया जा सकता है। ऐसा रोबोट पूरी तरह से अपघटीय (डिस्पोजेबल) होने के लिए डिज़ाइन नहीं किया गया है, लेकिन यह बहुत किफायती होगा इसलिए इन्हें बड़ी संख्या में खरीदा जा सकता है और युद्ध के नुकसान की भरपाई की जा सकती है।

संपादकीय

जीवन के दो संजीवन

जीवन में सद्गुण वह जागीर है जो हर किसी में हर कहीं पर पाई नहीं जाती हैं । ये वो अनमोल निधि हैं जो किसी के द्वारा चुराई तक नहींजाती हैं । यदि यह निधि हमने पा ली और क़ीमत इसकी आँक ली तो खोई भी नहीं जाती हैं । जिनमें समता , क्षमता , सरलता, मृदुता,स्नेहशीलता-सहनशीलता- सेवा-सहयोग , अपार संभावनाओं आदि सद्भावों की सरिता बहती हैं ।ऐसी सुविशिष्टतायें ही चरित्रकी सुंदरता कहलाती हैं । ये क्रय-विक्रय के माध्यम नहीं हैं । हम इनको केवल पठन से ही नही पा सकते हैं ।ये सद्गुण तो स्वत: अपनेआप में विकसित करने के साधन हैं ।विरल और दुर्लभ हैं तभी तक जब तक मन सबल नहीं हैं ।जिस दिन इनको सुफल विकसित करनेको सही से हम समझेंगे तो हमारा दिल भी निश्चित ही दौड़ेगा ।ऐसे गुणों के विकास के लिए केवल पढ़ना-समझना-देखना और सुननाआदि ही पर्याप्त योग नहीं है । यह फलदायी तभी हैं जब सब कुछ व्यवहार और आचरण में इनका प्रयोग होता है । जिस दिन ऐसेसद्व्यवहार की वृत्ति हो जायेगी जीवन में असीम आनन्द की सरिता बहेगी ।यह हर मनुष्य के ऊपर निर्भर है कि उसमें से वह घड़ा भर लेऔर समृद्धि प्राप्त कर ले या बैठा रहे अनमना मन से रीता।अहंकार रहित मानसिक सुख की अनुभूति तक तो प्रशंसा की भूख सही सोचकी परिचायक हैं पर जो काम प्रशंसा के लायक नहीं है उस पर भी प्रशंसा की भूख ओछी सोच की परिचायक है । हमारा जीवन भी संतुलन व पचाने के अनुसार जूड़ा है। अगर हम भूख से ज़्यादा खाते हैं तो अपच होने का डर रहता और कम खाते हैं तो शारीरिक शक्तिक्षीण होने की सम्भावना रहती है । ठीक इसी तरह कोई प्रशंसा न पचा पाये तो आदमी फूल कर कुप्पा हो जाता है और बार-बार वाह - वाह उसे चाहने लगता है तथा उसका अहं शीर्ष पर चढ़ जाता है । इसलिए कहते हैं चाहे कोई कार्य क्षेत्र हो हमने अपने जीवन में हर जगहसंतुलन अपना लिया हैं तो हमारा जीवन भी अपने आप हमेशा आनंदित रहेगा ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

बाघों के संरक्षण पर गहराते सवाल

वन्यजीव/ ज्ञानेन्द्र रावत

राष्ट्रीय पशु बाघ के संरक्षण पर हमेशा से सवाल उठते रहे हैं। वह चाहे उसके शिकार का सवाल हो, शिकारियों पर अंकुश का सवाल हो, वन्य जीवों के अंगों की तस्करी करने वाले माफिया से अधिकारियों की मिलीभगत का सवाल हो, उनकी संख्या का सवाल हो, उनकी मौत के आंकड़ों का सवाल हो, उनके संरक्षण का हो या उसमें प्रबंधन में नाकामी का सवाल हो, यह कोई नयी बात नहीं है। अभी हाल-फिलहाल जो बात खुलकर सामने आयी है वह यह कि बाघों की जान को बाहरियों के मुकाबले अपनों से ज्यादा खतरा है। सबसे बड़ी बात यह कि इसका खुलासा खुद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण यानी एनटीसीए ने बीते दस साल में मारे गये बाघों की मौत के मामले में विस्तृत अध्ययन के बाद किया है। एनटीसीए की रिपोर्ट की मानें तो पिछले दस सालों में तकरीबन 1105 बाघों की मौत हुई है। एनटीसीए के अनुसार उसने 2012 से 2022 तक मारे गये 1105 बाघों की पोस्टमार्टम व फॉरेंसिक रिपोर्ट की विस्तृत जांच की है लेकिन सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि उसमें से 27.97 फीसदी बाघों की मौत की पहेली अनसुलझी है। इसका खुलासा कर पाना विशेषज्ञों के लिए आज भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। वे किसी निष्कर्ष पर पहुंचने में नाकाम रहे हैं कि इन बाघों की मौत के पीछे वन्य जीव तस्कर या शिकारी हैं अथवा कोई और कारण है। इसकी जांच में विशेषज्ञ आज भी रात-दिन मेहनत कर शोध में लगे हुए हैं जबकि उन्होंने तकरीबन 72.03 फीसदी बाघों की मौत के कारणों का खुलासा कर अंतिम रिपोर्ट भी दे दी है। जहां तक इस साल में बीते आठ महीनों का सवाल है, इस दौरान एनटीसीए की मानें तो 125 बाघों की मौत हो चुकी है, उस स्थिति में जबकि अभी भी साल खत्म होने में चार महीने बाकी हैं। वहीं बीते साल 2022 के कुल बारह महीनों में 121 बाघों की मौत हुई थी। एनटीसीए के दावों को सही मानें तो इन बाघों की मौतों के पीछे जंगल में बाघों की बढ़ती तादाद और उनका दूसरे वन्यजीवों के साथ दिनोंदिन बढ़ता संघर्ष है। इससे इस बात की पुष्टि होती है कि बाघों को बाहरी लोगों के मुकाबले अपनों से ज्यादा खतरा है। विशेषज्ञों का इस बारे में मानते हैं कि जिन बाघों की मौतों की जांच एनटीसीए ने अध्ययन के बाद बंद कर फाइनल रिपोर्ट लगा दी है उनमें 70 फीसदी से ज्यादातर बाघों की मौत आपसी संघर्ष और दूसरे वन्यजीवों के हमलों के कारण हुई है। वह बात दीगर है कि वन विभाग जंगल में हुई इन बाघों की मौतों को प्राकृतिक मौत करार देता है। उसके अनुसार इनमें बीमारी, बढ़ती उम्र यानी बूढ़ा हो जाना, आपसी संघर्ष व दूसरे वन्यजीवों के हमले अहम हैं। एनटीसीए का मानना है कि यह तब है जबकि बाघों के शिकार पर काफी हद तक वन अधिकारियों और पुलिस बल की चुस्ती और कड़ी मेहनत के बलबूते अंकुश पा लिया है। जहां तक अभयारण्यों का सवाल है, उत्तराखंड स्थित कार्बेट टाइगर रिजर्व बाघों के घनत्व के मामले में समूचे देश के टाइगर रिजर्व में शीर्ष पर है। कुल 1288.31 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस टाइगर रिजर्व में तकरीबन 260 बाघ हैं। यहां भी पिछले चार सालों में 29 बाघ बढ़े हैं। साल 2014 में यह तादाद 215 थी। आंकड़ों के मुताबिक, साल 2018 के बाद यहां बाघों की संख्या 12.5 फीसदी बढ़ी। जबकि साल 2021 से पाखरो टाइगर सफारी को लेकर कार्बेट टाइगर रिजर्व लगातार चर्चा में रहा। टाइगर सफारी के लिए अनुमति से ज्यादा यहां पर बड़े पैमाने पर पेड़ों का कटान, बिना अनुमति कालागढ़ व पाखरो वन क्षेत्र में अवैध निर्माण का मामला काफी दिनों तक अखबारों की सुर्खियों में रहा। गौरतलब है कि प्रकरणों की काफी जद्दोजहद के बाद हुई जांच में इन मामलों की पुष्टि हुई थी। इसके बाद बाघों के वास स्थलों का भी मामला काफी चर्चित रहा। यहां इस तथ्य को भी नकारा नहीं जा सकता कि उत्तराखंड में 2018 की गणना में कुल मिलाकर 441 बाघ थे जो 2022 में बढ़कर आंकड़ा 560 के पार जा पहुंचा। राज्य में टाइगर रिजर्व क्षेत्र में पेड़ों के अंधाधुंध अवैध कटान, वन विभाग की 2171 बीघा जमीन भूमाफिया और अधिकारी व वन विभाग की मिलीभगत के चलते बेच दिए जाने और वनक्षेत्र व रिजर्व में अवैध निर्माण के बावजूद जहां बाघों की तादाद में बढ़ोतरी महत्वपूर्ण उपलब्धि है, वहीं इस रिजर्व में चुनौतियां भी काफी बढ़ी हैं जिनसे पार पाना वन विभाग के लिए आसान नहीं है। यह भी गौरतलब है कि बाघों की बढ़ती मौतों की असली वजह उनकी तेजी से बढ़ती तादाद और अपने क्षेत्र में दूसरे का प्रवेश बर्दाश्त न कर पाना तो है ही, आपसी संघर्ष भी है, इसमें बीमार, बूढ़े और अशक्त हो चुके बाघों पर अस्तित्व की खातिर युवा बाघों के हमले भी अहम हैं जिसे नजरंदाज नहीं किया जा सकता। एनटीसीए बाघों के शिकार पर लाख अंकुश का दावा करे देश में आये दिन बाघों की खाल, अंगों सहित वन्यजीव तस्करों की गिरफ्तारी, उनकी मौतों के बढ़ते आंकड़े सबूत हैं कि इस दिशा में अभी बहुत कुछ करना बाकी है। वह बात दीगर है कि केन्द्र सरकार द्वारा वन्य जीवों को बचाने की खातिर वन्य जीव संरक्षण संशोधन अधिनियम 2022 अधिनियमित किये जाने के फलस्वरूप पुराने कानूनों में बदलाव के सार्थक परिणाम सामने आने लगे हैं । वहीं वन्यजीवों व वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों पर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन, साइट्स के तहत भारत पर दायित्वों को और प्रभावी बनाने का दबाव भी बढ़ा है। यह कम महत्वपूर्ण नहीं है कि समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र के लिए जीवों और वनस्पतियों, पौधों की विविधता का स्वस्थ होना बेहद जरूरी है। इनमें मानवीय भूमिका के महत्व को नकारा नहीं जा सकता। लेकिन इसके लिए वन्यजीवों के साथ संघर्ष, उनके शिकार पर अंकुश तथा जीवों और वानस्पतिक विरासत के प्रति हमारा संवेदनशील रवैया बेहद जरूरी है।

क्या साल में दो बार बोर्ड परीक्षा: छात्रों के लिए दोहरा तनाव?

(लेखक-विजय गर्ग)

साल में दो बार बोर्ड परीक्षा छात्रों के लिए काफी तनावपूर्ण होती है। एक वर्ष में दो बोर्ड परीक्षाओं के सकारात्मक एवं नकारात्मक पक्ष परीक्षा के तनाव या उससे जुड़ी चिंता को हल्के में नहीं लिया जा सकता। पिछले साल, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने पाया कि कक्षा 9 से 12 तक पढ़ने वाले लगभग 80 प्रतिशत बच्चे परीक्षा और परिणामों के कारण चिंता से पीड़ित हैं। साल में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने से छात्रों पर अतिरिक्त दबाव बन सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें कम समय में बोर्ड परीक्षाओं के दो सेटों की तैयारी करनी होगी और उनमें अच्छा प्रदर्शन करना होगा। शिक्षक बताते हैं, इससे तनाव का स्तर बढ़ सकता है, खासकर उन बच्चों में जो पहले से ही परीक्षाओं को बहुत चुनौतीपूर्ण मानते हैं। लेकिन साथ ही, इसे छात्रों को बोर्ड परीक्षा में बैठने के लिए दिए गए दो अवसरों के रूप में भी देखा जा सकता है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड स्कूल के प्रधानाध्यापक का कहना है, छात्रों को परिणामों के बारे में कम चिंता महसूस हो सकती है क्योंकि उनके पास अगले चक्र में सुधार का अवसर है और पाठ्यक्रम को दो हिस्सों में विभाजित किया जाएगा। यह संभावित रूप से एकल उच्च जोखिम वाली परीक्षा से जुड़े तनाव को कम कर सकता है। साल में दो बोर्ड परीक्षाएं बच्चों के लिए क्यों हो सकती हैं अच्छी? 1. दूसरा मौका एक वर्ष में दो परीक्षा चक्रों के साथ, यदि छात्रों को पहले प्रयास में वांछित परिणाम प्राप्त नहीं होते हैं तो उनके पास अच्छा प्रदर्शन करने का दूसरा अवसर होगा। यह संभावित रूप से विफलता के डर से जुड़े तनाव की तीव्रता को कम कर सकता है। 2. बेहतर तैयारी विशेषज्ञ का कहना है कि परीक्षा देने का एक और मौका मिलने की संभावना छात्रों को पूरे साल लगातार अध्ययन की आदत बनाए रखने के लिए प्रेरित कर सकती है, जिससे संभावित रूप से बेहतर तैयारी हो सकेगी। 3. अनुभव से सीखना जो छात्र पहली परीक्षा देते हैं वे अपने अनुभव का उपयोग सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने और दूसरे प्रयास के लिए बेहतर रणनीति विकसित करने में कर सकते हैं। इससे उन्हें तनाव को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद मिल सकती है। एक वर्ष में दो बोर्ड परीक्षाओं का नकारात्मक पक्ष 1. उच्च आवृत्ति साल में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने से छात्रों में तनाव का चक्र बढ़ सकता है। डॉ घोष कहते हैं, परीक्षा की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण समय और प्रयास की आवश्यकता होती है, और परीक्षाओं के बीच कम अंतराल व्यापक सीखने के लिए पर्याप्त समय नहीं दे सकता है। 2. प्रदर्शन करने का दबाव हालाँकि दूसरा मौका मिलना हमेशा अच्छा होता है, लेकिन इससे दोनों परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव भी बढ़ सकता है। छात्र दोनों परीक्षाओं में उत्कृष्टता हासिल करने का दबाव महसूस कर सकते हैं, जिससे तनाव का स्तर बढ़ सकता है। 3. सतत परीक्षा तत्परता पूरे वर्ष परीक्षा के लिए तैयार रहने की आवश्यकता से परीक्षा से संबंधित तनाव की निरंतर भावना पैदा हो सकती है, जो संभावित रूप से छात्रों की समग्र भलाई और अन्य गतिविधियों में संलग्न होने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है। 4. पाठ्यक्रम पर प्रभाव अधिक लगातार परीक्षा कार्यक्रम से शिक्षा का ध्यान समग्र समझ और कौशल विकास के बजाय परीक्षा-केंद्रित सीखने की ओर स्थानांतरित हो सकता है, जिससे संभावित रूप से तनाव का स्तर बढ़ सकता है। 5. सीमित विराम छात्रों को परीक्षा चक्रों के बीच कम ब्रेक मिल सकते हैं, जिससे उनके विश्राम और आराम के अवसर कम हो जाएंगे। विशेषज्ञ का कहना है कि यह निरंतर चक्र उनके मानसिक और भावनात्मक कल्याण पर असर डाल सकता है। बच्चों में परीक्षा के तनाव को कम करने के टिप्स परीक्षा के तनाव के कारण कुछ मामलों में सिरदर्द, मतली, मांसपेशियों में तनाव, तेज़ दिल की धड़कन, पसीना और कंपकंपी हो सकती है। ये तो परीक्षा के तनाव के कुछ लक्षण हैं। लेकिन अगर आप नहीं चाहते कि आपका बच्चा ऐसा करेयह सब अनुभव करें, कुछ चीजें हैं जो आप और शिक्षक कर सकते हैं। 1. कक्षा में सकारात्मक माहौल बनाएं मित्तल का कहना है कि शिक्षक कक्षा में सहायक और सकारात्मक माहौल बनाकर परीक्षा के तनाव से राहत दिला सकते हैं। वे खुले संचार को प्रोत्साहित कर सकते हैं, अध्ययन युक्तियाँ और तकनीकें प्रदान कर सकते हैं, नियमित प्रतिक्रिया प्रदान कर सकते हैं और यथार्थवादी अपेक्षाएँ निर्धारित कर सकते हैं। 2. तनाव-मुक्ति गतिविधियों का आयोजन करें मित्तल का सुझाव है कि शिक्षक छात्रों के लिए तनाव-राहत गतिविधियाँ भी ला सकते हैं। तो, सूची में माइंडफुलनेस अभ्यास, अनुभवात्मक शिक्षा, परियोजना-आधारित शिक्षा और समूह चर्चाएं शामिल हो सकती हैं। यह सब छात्रों को अपने तनाव के स्तर को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और चिरस्थायी सीखने में मदद कर सकता है। 3. यथार्थवादी अपेक्षाएँ निर्धारित करें आपको अवास्तविक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपने बच्चे पर अत्यधिक दबाव डालने से बचना चाहिए। डॉ घोष कहते हैं, माता-पिता और शिक्षकों को बच्चे की क्षमताओं और सीखने की शैली पर विचार करते हुए प्राप्त करने योग्य अपेक्षाएं निर्धारित करनी चाहिए। शिक्षा के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण विफलता के डर और परिणामी तनाव को कम करता है। 4. अवकाश और अवकाश गतिविधियों को प्रोत्साहित करें माता-पिता और शिक्षक दोनों अध्ययन अवधि के दौरान ब्रेक और अवकाश गतिविधियों के महत्व पर जोर दे सकते हैं। ब्रेक मस्तिष्क को आराम और तरोताजा होने की अनुमति देता है, जिससे बेहतर एकाग्रता और प्रतिधारण होता है। शौक, शारीरिक गतिविधियों में व्यस्त रहना और दोस्तों के साथ समय बिताना भी परीक्षा संबंधी तनाव से ध्यान भटकाने में मददगार साबित हो सकता है।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार मलोट पंजाब)

विचार मंथन

तेल कंपनियों की मुनाफाखोरी पर सरकार की चुप्पी

(लेखक - सनत जैन)

पिछले 15 महीने में क्रूड तेल 31 फीसदी अंतरराष्ट्रीय बाजार में सस्ता हुआ है। क्रूड ऑयल सस्ता होने के बाद भी तेल कंपनियों ने रेट नहीं घटाए। इसके पहले तेल कंपनियां रोजाना डीजल और पेट्रोल के रेट बढ़ा रही थी। क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ रहे थे। तेल कंपनियां कह रही हैं कि उन्हें 2022 में महंगा कच्चा तेल खरीदना पड़ा था जिसके कारण तेल कंपनियों को 16700 करोड रुपए का घाटा हुआ था। इस घाटे की भरपाई करने के नाम पर पिछले 15 महीने में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें घटने के बाद भी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें नहीं घटाईं। तेल कंपनियों के हिसाब किताब को ही मान लें तो तेल कंपनियों को 31159 करोड रुपए का अभूतपूर्व मुनाफा हुआ है। जिसमें पुराने घाटे की भी भरपाई हो चुकी है। इसके बाद भी तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल के रेट नहीं घटा रही हैं। सरकार ने भी तेल कंपनियों की मुनाफाखोरी पर चुप्पी साध कर रखी हुई है। पिछले 9 वर्षों में केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी और उपकर बढ़ाकर पेट्रोल और डीजल से भारी राजस्व इकट्ठा किया है। राज्य सरकारों ने भी वेट और ड्यूटी बढ़ाकर पेट्रोल और डीजल से भारी कमाई की है। इस खेल को अब जनता भी समझने लगी है। पिछले 5 वर्षों में क्रूड ऑयल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 23 परसेंट महंगा हुआ था, लेकिन भारत में 35 फीसदी से ज्यादा पेट्रोल और डीजल के रेट बढ़ाए गए हैं। पिछले 15 महीने में क्रूड ऑयल 109 रुपए से घटकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में 74 रुपए पर आ गया था, लेकिन तेल कंपनियों ने इस बीच में कोई पेट्रोल और डीजल के दाम नहीं घटाए। इसी बीच पिछले डेढ़ वर्षों में रूस से कम कीमत में भारत ने बड़े पैमाने पर कच्चे तेल का आयात किया। 5 सालों में तेल कंपनियों ने 35ब दाम पेट्रोल और डीजल के बढ़ा दिए, जो तेल कंपनियों की मुनाफाखोरी और आम जनता के साथ की जा रही धोखाधड़ी को उजागर करने के लिए पर्याप्त है। अब पांच राज्यों के विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं। इसके साथ ही अगले कुछ महीनो में लोकसभा चुनाव भी होने जा रहे हैं। एक बार फिर पेट्रोल और डीजल के रेट कम करने की बात कही जा रही है। आम जनता अब यह समझने लगी है कि जब चुनाव का समय आता है, तब सरकार 20 रूपये कीमत बढाकर 5 रूपये घटाकर वाहवाही कराकर चुनाव जीतना चाहती है। घरेलू रसोई गैस में सरकार ने 200 रुपये की सब्सिडी देने की घोषणा की है। 450 रुपए की रसोई गैस मनमोहन सरकार के समय महंगी थी। तब भाजपा सड़कों पर प्रदर्शन करती थी। पिछले वर्षों में रसोई गैस के दाम बढ़ाकर 1100 रुपये प्रति सिलेंडर कर दिया। अब 1100 रुपये के गैस सिलेंडर में 200 रुपये की सब्सिडी देकर सरकार वाह-वाही लूटना चाहती है। जनता अब यह भी पूछने लगी है कि रसोई गैस के दाम सरकार ने बढ़ाए ही क्यों थे। जब सब्सिडी देना ही थी, तो सब्सिडी खत्म क्यों की गई थी।

अब चुनाव आ गए हैं, तो सरकार 200 रुपये की सब्सिडी का झुनझुना बजा रही है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि पेट्रोल और डीजल के रेट बढ़ाकर और दझम घटने के बाद श्रेट नहीं घटाकर जिस तरीके की कमाई तेल कंपनियों ने मुनाफाखोरी की है, उसमें 10 रुपये लीटर के दाम पेट्रोल और डीजल के तुरंत घटाये जा सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की जो कीमतें हैं, उन्हें 10 रुपये प्रति लीटर रेट घटाए जाने के बाद भी कीमतों को स्थिर रखा जा सकता है। सरकार तेल कंपनियों की मुनाफाखोरी को लेकर चुप बैठी हुई है। जनता यह भी समझने लगी है कि सरकार के इशारे पर ही पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस के रेट तय होते हैं।

चुनाव के समय यह खेल जनता समझने लगी है। रसोई गैस के दाम 200 रुपये घटाने की प्रतिक्रिया भी उसी तरीके से हो रही है। रसोई गैस के जो दाम घटाए गए हैं उसको लेकर आम जनता में कोई प्र तिक्रिया नहीं हुई, जिससे ऐसा लगे कि चुनाव भाजपा इस कारण से जीत जाएगी। महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक मंदी एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। इस तरह के खेल से आम जनता अब प्रभावित नहीं हो रही है। इस तथ्य को केंद्र सरकार को समझना होगा।

पेट्रोलियम कंपनियों पर लगाम कसनी होगी। यदि मुनाफाखोरी पर लगाम नहीं लगाई गई तो इसके परिणाम राजनीतिक दृष्टि से केंद्र सरकार और भाजपा के लिए आसन्न चुनावों में नुकसानदायक साबित होंगे।

रात को भिगोकर सुबह खाएं बादाम और किशमिश, सेहत पर दिखेगा जबरदस्त असर

आप अपने दिन की शुरूआत किस तरह से करते हैं, इसका काफी असर आपके पूरे दिन और स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। स्वस्थ रहने के लिए सुबह कुछ हेल्दी आदतों को अपनी रूटीन में शामिल करना चाहिए। सुबह के समय अधिकतर लोग भीगे नट्स खाने की सलाह देते हैं। क्योंकि जब आप भीगे हुए नट्स से दिन की शुरूआत करती हैं, तो आप पूरा दिन एनर्जेटिक बनी रहती हैं। हालांकि नट्स खाने के कई फायदे होते हैं। लेकिन सुबह के समय आपको ये नट्स कितनी मात्रा में खाने हैं। अपनी डाइट में किन नट्स को शामिल करना है। इसके बारे में सही जानकारी होना जरूरी है। सुबह के समय बादाम और किशमिश से दिन की शुरूआत करने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं कि सुबह के समय बादाम और किशमिश खाने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं।

बादाम और किशमिश खाने के फायदे

-अपने दिन की शुरूआत भीगे हुई बादाम और किशमिश खाने से पूरा दिन शरीर में एनर्जी बनी रहती है।
-बादाम खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। बादाम में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और विटामिन ई पाया जाता है।
-इसके सेवन से शरीर को शुगर मैनेज करने में मदद मिलती है।
-अक्सर इन दोनों चीजों को लोग अलग-अलग डाइट में शामिल करते हैं। इनको भिगोकर एक साथ खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।
-कब्ज की समस्या से परेशान लोगों को सुबह के समय इसका सेवन करना चाहिए।
-बादाम और किशमिश खाने से स्किन और बालों की सेहत सुधरती है।
-इसके सेवन से डाइजेशन में सुधार होता है और एसिडिटी की समस्या नहीं होती है।
-बादाम और किशमिश के सेवन से ब्लड प्रेशर कंट्रोल होता है।
-जिन महिलाओं को पीरियड्स से संबंधित परेशानियां होती हैं, उन्हें किशमिश खाना चाहिए।
-आंतों की सेहत और हड्डियों के लिए भी किशमिश फायदेमंद होती है।

कैसे खाएं बादाम और किशमिश

-रात में 4-5 बादाम और 5-6 किशमिश को भिगो दें।
-सुबह बादाम का छिलका उतार दें।
-इसके बाद दोनों को ऐसे ही खा लें।
-इसके बाद पानी पी लें।

सूखे आलूबुखारे खाने के फायदे

इसके अलावा आप अपनी डाइट में आलूबुखारा खा सकते हैं। इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। आलूबुखारे में फाइबर और आयरन भी अधिक मात्रा में होता है। वहीं खून की कमी को पूरा करने के लिए बादाम और किशमिश के साथ इसे भी भिगोकर खाना चाहिए।

बच्चों के कब्ज की समस्या को दूर करेंगे ये उपाय...

कब्ज एक ऐसी समस्या है, जो सिर्फ बड़ों को ही नहीं, बच्चों को भी परेशान कर सकती है। खासतौर से, जब बच्चे फार्मूला मिल्क लेते हैं या फिर सॉलिड फूड लेते हैं तो उनके बाउल मूवमेंट में परेशानी हो सकती है। ऐसे में उन्हें कब्ज की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। यूं तो बच्चों को कब्ज की समस्या होने पर डॉक्टर से सलाह लेने की हिदायत दी जाती है, लेकिन कुछ आसान घरेलू उपाय भी उनकी काफी मदद कर सकते हैं। तो चलिए आज इस आसान उपायों के बारे में ही जानते हैं-

पेट की करें मालिश

शिशुओं और छोटे बच्चों में कब्ज की समस्या होने पर पेट की मालिश करना एक अच्छा विचार हो सकता है। आप बच्चे की हल्की मसाज करें या फिर उसके पैरों को साइकिल चलाने की तरह चलाएं। इससे उसे मल त्याग करने में काफी मदद मिलती है।

नेचुरल लैक्सेटिव की लें मदद

जब बच्चे को कब्ज की शिकायत होती है तो ऐसे में उसे नेचुरल लैक्सेटिव देना अच्छा विचार हो सकता है। इसलिए, आप उसकी डाइट में आलूबुखारा, सेब और नाशपाती आदि को शामिल करें। इन फलों में सोर्बिटोल नामक शुगर पाया जाता है, जो आंतों में पानी खींचकर मल को नरम करती है। जिससे बच्चे को कब्ज में आराम मिलता है।

पानी की मात्रा बढ़ाएं

एक वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को अपनी डाइट में पानी की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए। यह शरीर को हाइड्रेटेड रखता है, जिससे मल त्यागने में भी आसानी होती है। जब बच्चे पर्याप्त मात्रा में पानी पीते हैं, तो इससे कब्ज को रोकने में मदद मिलती है।

बढ़ाएं फाइबर की मात्रा

जब बच्चे की डाइट में फाइबर की मात्रा बढ़ाई जाती है तो इससे बच्चे को स्टूल पास करने में आसानी होती है। कोशिश करें कि आप बच्चे की डाइट में फल व सब्जियों की मात्रा बढ़ाएं। ऐसे फल व सब्जी का सेवन करें, जिनमें पानी व फाइबर भरपूर हो।

डेयरी को करें कम

अगर बच्चा इन दिनों कब्ज से जूझ रहा है तो उसकी डाइट में डेयरी की मात्रा थोड़ी कम कर दें। अत्यधिक डेयरी का सेवन विशेषकर दूध कब्ज पैदा कर सकता है। कई बच्चों में गाय के दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन के प्रति सेंसेटिविटी होती है। इसके अलावा, अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे पनीर या चीज भी कब्ज पैदा कर सकते हैं।

पर्याप्त नींद नहीं होने से दिमाग होता है प्रभावित

व्यस्त आधुनिक जीवन में आजकल किसी के पास समय नहीं है। ऐसे में लाग पर्याप्त नींद तक नहीं ले पाते। इससे उन्हें कई बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। कम से कम 7 घंटे की नींद न लेने से दिमाग को आराम नहीं मिलता है और हम दिनभर थकान का अनुभव करते हैं। इससे याद रखने की क्षमता भी कम होती है। ऐसे में समय के साथ-साथ दिमाग की काम करने की क्षमता कम हो जाती है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके अलावा भी कई अन्य कारणों से दिमाग प्रभावित होता है। ज्यादातर अकेले रहने से दिमाग पर बुरा असर पड़ता है। इससे आगे चलकर अल्जाइमर बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है।

जंक फूड में सोडियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है जो दिमाग के न्यूरॉन रिसेप्टर्स को नुकसान पहुंचाता है। ज्यादा मात्रा में जंक फूड खाने पर कंफ्यूजन, सिरदर्द और वॉमटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लगातार कई घंटों तक हेडफोन या इयरफोन लगाकर तेज आवाज में गाने सुनने से ब्रेन टिश्यूज पर बुरा असर पड़ता है। इससे अल्जाइमर की समस्या भी हो सकती है। हर दिन कोई भी फिजिकल ऐक्टिविटी न करने से डायबीटीज, हार्ट डिजीज और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। इनका दिमाग पर बुरा असर होता है। स्मोकिंग के दौरान हमारे शरीर में कई हार्मफुल केमिकल्स आ जाते हैं। ये खून को गाढ़ा कर देते हैं, जिससे दिमाग तक खून की सप्लाई कम हो जाती है। भूख से अधिक खाने का संबंध भी दिमाग से ही है। ज्यादा खाने से दिमाग के सोचने की क्षमता पर भी असर पड़ता है। वहीं प्राकृतिक रौशनी में न रहने और ज्यादातर समय अंधेरे में रहने के कारण अवसाद बढ़ जाता है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ता है।

सिरदर्द की समस्या से हो गए हैं परेशान तो यह हो सकती है वजह

आजकल की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में सिरदर्द होना एक आम समस्या हो गई है। हालांकि सिरदर्द के कई कारण हो सकते हैं। जिनमें तनाव, गैस, गलत खान-पान, सर्दी-जुकाम और थकान वगैरह भी सिरदर्द की वजह हो सकती है। सिरदर्द के पीछे का एक कारण शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी हो सकती है। अक्सर सिर दर्द होने पर हम पेन किलर खा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके गंभीर परिणाम भी हो सकते हैं।

ऐसे में अगर आपको भी अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है, तो इसके पीछे का कारण जानना बेहद जरूरी होता है। साथ ही सिरदर्द को दूर करने के तरीकों के बारे में भी जानकारी होना जरूरी है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिरदर्द होने के कारण और इससे बचने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

जानिए सिरदर्द के पीछे का कारण

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जब शरीर में सोडियम की कमी होती है, तो सिरदर्द हो सकता है। वहीं अगर आप अक्सर सिर दर्द की समस्या से परेशान रहते हैं, तो आपको सोडियम लेवल की जांच जरूर करवानी चाहिए। क्योंकि शरीर में सोडियम की कमी होने पर थकान, भूख में कमी और चिड़चिड़ापन के लक्षण नजर आ सकते हैं। बता दें कि लंबे समय तक शरीर में सोडियम की कमी होने पर हमारे शरीर के कई फंक्शन्स पर भी असर पड़ता है। यहां तक की कई बार सोडियम की कमी से व्यक्ति बेहोश तक हो जाता है। सोडियम की कमी होने पर लोगों के सिर में दर्द बना रहता है।

ऐसे दूर करें सोडियम की कमी

व्यक्ति के शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी होने पर सोडियम लेवल में कमी आ सकती है। ज्यादा पसीना या ज्यादा यूरिन आने के कारण भी ऐसा हो सकता है। ऐसे में आप अपनी डाइट में सोडियम की मात्रा कम लेते हैं, तो खाने में नमक की मात्रा का खास ख्याल रखना चाहिए। इसके साथ ही शरीर में पानी की सही मात्रा का होना भी काफी जरूरी होता है। क्योंकि शरीर में पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। डिहाइड्रेशन से भी शरीर में सोडियम की कमी हो सकती है।

ऐसे में अगर आपको अक्सर सिरदर्द रहता है, तो हो सकता है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी ना पी रहे हों। वहीं उल्टी व दस्त की समस्या होने पर भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बनाए रखने के लिए आप नमक की सही मात्रा का सेवन करें।

ज्वॉइंट पेन से हो चुके हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खा

आमतौर पर जोड़ों के दर्द को बुढ़ापे से जोड़कर देखा जाता था। आपने भी बुजुर्ग लोगों को कई बार कहते हुए सुना होगा कि उम्र बढ़ने के साथ ही उन्हें जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। लेकिन वर्तमान समय में गलत खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण लोगों को कम उम्र में ही जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। मुश्किल से 30 की उम्र पार करने के बाद से ही लोगों को जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है।

जोड़ों के दर्द होने के पीछे फ्ल्यूड और कोलेजन का कम होना है। हालांकि अपनी डाइट में बदलाव कर ज्वॉइंट पेन की समस्या से राहत पाई जा सकती है। साथ ही इसके लिए एक्सरसाइज भी जरूरी मानी जाती है। ऐसे में अगर आप ज्वॉइंट के दर्द से परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे खास मिक्चर के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसके इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द को दूर करने में मदद मिल सकती है।

जोड़ों के दर्द को दूर करने वाले मिक्चर की सामग्री

बादाम- 1/2 कटोरी
मखाना- 1/2 कटोरी
भुने हुए चने- 1/2 कटोरी
सौंठ- 1/2 टीस्पून
अजवाइन- 1 टीस्पून
दालचीनी- 1/2 टीस्पून
सूखा हुए खजूर- 5
मिश्री- 1/4 कटोरी

ऐसे बनाकर करें तैयार

इन सभी चीजों के ग्राइंडर कर महीन पाउडर बना लें।
फिर 1 चम्मच पाउडर को 1 गिलास पानी में मिलाएं।
इसके बाद रोजाना दिन में एक बार इसका सेवन करें।

जोड़ों के दर्द से निजात पाने का घरेलू नुस्खा

मखाना शरीर में कैल्शियम लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। इसके साथ ही आस्टियो आर्थराइटिस के लक्षणों को भी कम करता है।
बादाम में कैल्शियम और मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। यह ज्वॉइंट्स के इंफ्लेमेशन को मजबूत करने के साथ ज्वॉइंट के दर्द में राहत देता है।
भुने हुए चने में विटामिन-के पाया जाता है। यह शरीर को कैल्शियम प्रदान करने के साथ जोड़ों के दर्द में भी आराम देता है।
सूखे हुए खजूर में विटामिन सी और विटामिन डी की भरपूर मात्रा पायी जाती है। इसके सेवन से कोलेजन प्रोजक्शन बूस्ट होता है और ज्वॉइंट में लचीलापन आता है।
अजवाइन में विटामिन-के की प्रचुर मात्रा पायी जाती है। यह मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है और जोड़ों का दर्द और सूजन खत्म करता है।
दालचीनी में सिनेमिक एसिड पाया जाता है। इसके सेवन से जोड़ों के दर्द और इंफ्लेमेशन से राहत मिलती है।
मिश्री डाइजेस्टिव जूस को रिलीज करने में सहायक होती है। इससे गैस की समस्या नहीं होती और पाचन में सुधार होता है।
सौंठ में एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज पाया जाता है, यह ज्वाइंट में होने वाली ऐंठन को कम करती है।

बुजुर्गों की हड्डियों को कमजोरी से बचाता है सीबीएफ-बीटा प्रोटीन

शोधकर्ताओं ने एक ऐसी प्रणाली की पहचान की है जो बताता है कि बुजुर्गों की हड्डियों में कमजोरी क्यों आ जाती है। साथ ही शोधकर्ताओं ने ऐसा तरीका खोज निकाला है, जिसके जरिए बढ़ती उम्र के साथ हड्डियां कमजोर होने के इलाज में काम आ सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑस्टियोपोरोसिस यानी हड्डी के पतलेपन और डेंसिटी में कमी के कारण हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। यह बुजुर्गों की एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या है। अक्सर ये हालात बोन मैरो में फैट सेल्सर की वृद्धि के साथ पैदा होते हैं। बर्मिघम के अलबामा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर यू-पिंग ली के एक अध्ययन में सामने आया है कि सीबीएफ-बीटा नामक एक प्रोटीन हड्डियों के बनने में मददगार कोशिकाओं को शरीर में बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक परीक्षण में पाया गया कि युवा चूहों की तुलना में वृद्ध चूहों की बोन मैरो सेल्स में सीबीएफ-बीटा का स्तर कम पाया गया। इस निष्कर्ष से पता चलता है कि इस प्रणाली में खराबी आने पर, कोशिकाएं हड्डियों को बनाने में मदद करना बंद कर देती हैं और फैट सेल्स को बनाने में मदद करती हैं। ली ने कहा कि सीबीएफ-बीटा नाम के प्रोटीन को बनाए रखना ह्यूमन लाइफ रिलेटिड ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद कर सकता है शोधकर्ताओं का कहना है कि इस प्रणाली की जानकारी होने से कम से कम साइड इफेक्ट के साथ ह्यूमन बोन मेरो का इलाज किया जा सकता है।

एस्सेल ग्रुप ने जेसी फ्लॉवर्स कंपनी से समझौता किया

मुंबई । एस्सेल ग्रुप ने अपने करीब 6500 करोड़ रुपये के कर्ज के सेटलमेंट के लिए जेसी फ्लॉवर्स कंपनी से समझौता किया है। ये पूरा मामला 6500 करोड़ रुपये के कर्ज से जुड़ा है दरअसल, जेसी फ्लॉवर्स ने यह कर्ज यस बैंक से डिस्काउंट पर खरीदा था। यस बैंक ने अपना 48,000 करोड़ रुपये का डूबा कर्ज (एनपीए) जेसी फ्लॉवर्स को ट्रांसफर कर दिया था। ये एनपीए करीब 11,183 करोड़ रुपये में बेचा गया था। वहीं इस मामले में एस्सेल ग्रुप की कंपनी जी लर्न ने पहले इस कर्ज के मामले में जेसी फ्लॉवर्स के साथ निपटारा करने के संकेत दिए थे। जी लर्न ने 8 अगस्त को स्टॉक एक्सचेंजों को इस बाबत जानकारी दी थी। कंपनी ने सेटलमेंट से जुड़े तथ्यों की पूरी जानकारी नहीं दी है। बताया गया हैं कि एग्रीमेंट के तहत एस्सेल ग्रुप की एंटीटीज ने 7 महीने के अंदर जेसी फ्लॉवर्स को 1,500 करोड़ रुपये चुकाने के वादा किए हैं। समझौते की शर्त में कहा गया है कि इस अमाउंट का 15 फीसदी पहले 30 दिन में पेमेंट कर दिया जाएगा। बाकी 85 फीसदी अमाउंट छह महीनों में चुकाया जाएगा।

ग्रामीण बैंकों को दिए जन धन खातों की डुप्लीकेसी हटाने के निर्देश

नई दिल्ली । केन्द्र सरकार ने ग्रामीण बैंकों को जनधन खातों से डुपलीकेसी हटाने के निर्देश दिए हैं। मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) को जन धन खातों के दोहराव को हटाने और विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में सेब उत्पादकों के लिए भंडारण सुविधा की सुविधा देने का निर्देश दिया। उन्होंने आरआरबी की समीक्षा बैठक के दौरान यह बात कही। उन्होंने आरआरबी की डिजिटल क्षमता उन्नयन पर जोर दिया और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के अध्यक्ष को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि इसके दायरे में आने वाले सभी आरआरबी 1 नवंबर, 2023 तक डिजिटल ऑनबोर्डिंग क्षमता हासिल कर लें। बैठक के दौरान बैंकिंग सचिव, अतिरिक्त सचिव, आरआरबी के प्रमुख, आरबीआई के अधिकारी और नाबार्ड के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। निर्मला सीतारमण ने यह भी कहा कि बैंकों को आरआरबी को एमएसएमई समूहों के साथ मैप करना चाहिए और एमएसएमई मंत्रालय द्वारा पहचाने गए क्लस्टर क्षेत्रों में ग्रामीण शाखाओं के नेटवर्क को बढ़ाने पर अधिक जोर देना चाहिए। उन्होंने मुद्रा योजना और वित्तीय समावेशन के तहत पैठ बढ़ाने पर जोर दिया, जबकि कहा कि निर्धारित गतिविधियों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए एक रोडमैप तैयार करने की जरुरत है।

पेट्रोल डीजल की कीमतों में नहीं हुआ बदलाव

नई दिल्ली । देश में तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं ओर गुरुवार को भी उसमें कोई बदलाव नहीं हुआ। सरकारी तेल कंपनियों ने अंतिम बार अप्रैल 2022 में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाये थे। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर पर है। नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर है। गाजियाबाद में प्रेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर जबकि बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। चारों महानगरों की बात करें तो पहले की तरह ही दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90..08 रुपये प्रति लीटर जबकि मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर वहीं कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर पर हैं। वहीं चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है।

होंडा की बाइक हॉर्नेट 2.0 बाजार में लॉन्च

-बाइक को बीएस 6 फेज 2 के हिसाब से किया तैयार

नई दिल्ली ।

ऑटोमोबाइल कंपनी होंडा ने ने हॉर्नेट 2.0 को बाजार में लॉन्च कर दिया है। होंडा ने इसके लिए बाइक को बीएस 6 फेज 2 के हिसाब से तैयार किया है। एमिशन नॉर्म्स को पूरा करने के लिए कंपनी ने इंजन कंपोनेंट्स में कई तरह के सेंसर्स को लगाया है। अब बाइक में किसी भी तरह की खराबी होने पर इंस्ट्रूमेंट पैनल पर इसकी पूरी जानकारी मिलेगी।इसी के साथ बाइक में असिस्ट और स्लीपर क्लच दिया गया है।वहीं बाइक में अप साइड डाउन फ्रंट फॉर्क भी दिया गया है।मोटरसाइकिल के डिजाइन को पूरी तरह से अपडेट कर दिया गया है।साथ ही बाइक के फीचर्स को भी अपडेट किया गया है।बाइक में नए ग्राफिक्स के साथ ही बड़ा पेट्रोल टैंक दिया गया है।इसी के साथ एलईडी लाइट्स, स्प्लिट सीट, टैंक पर की प्लेसमेंट, डिस्क ब्रेक, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी जैसे फीचर्स दिए गए हैं।मोटरसाइकिल में असिस्ट और स्लीपर क्लच दिया गया है।इसी के साथ सेगमेंट में पहली बार अप साइड डाउन फ्रंट फॉर्क भी दिया गया है।मोटरसाइकिल को इस बार कंपनी ने पहले से ज्यादा सुरक्षित बनाया है।बाइक में सिंगल चैनल एबीएस दिया है। इसी के साथ फ्रंट और रियर में डिस्क ब्रेक दिए गए हैं।इसी के साथ हॉरनेट के साथ भी कंपनी अपना स्पेशल वारंटी पैकेज दे रही है।बाइक पर आपको 10 साल की वारंटी मिलती है।इसमें 3 साल की नॉर्मल वारंटी और 7 साल की औप शन वारंटी शामिल है। रियर में मोनो शॉक सस्पेंशन दिया गया है जो राइड को ज्यादा कंफर्टेबल बनाता है।वहीं बाइक का फ्रंट टायर 110 मिमी और रियर टायर 140 मिमी चौड़ा दिया गया है।मोटरसाइकिल में इसी के साथ आपको इंजन स्टार्ट स्टॉप का स्विच, हजार्ड लाइट, साइड स्टैंड इंडीकेटर जैसे फीचर भी देखने को मिलेंगे।

रुपया बढ़त पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 8 पैसे बढ़कर 82.65 पर बंद हुआ। इससे पहले रुपया सुबह 8 पैसे बढ़कर 82.65 पर खुला। वहीं गत दिवस बुधवार को रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 82.73 पर बंद हुआ था। आज डॉलर के मुकाबले दूसरी एशियाई मुद्रा में तेजी आई है। थाई बात में 0.32 फीसदी की बढ़त आई। जापान येन में 0.29 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी जबकि मलेशिया रिगिंत में 0.16 फीसदी उछाल आया जबकि फिलीपींस की मुद्रा पेसो में 0.1 फीसदी की बढ़त आई।

फूड बास्केट ऑफ इंडिया के तौर पर अपनी पहचान बनने में जुटा यूपी

लखनऊ ।

देश के ग्रोथ इंजन के तौर पर अपनी भूमिका को विस्तार देता उत्तर प्रदेश न केवल वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनने की ओर तेजी से प्रयासरत है, बल्कि वैश्विक पटल पर फूड बास्केट ऑफ इंडिया के तौर पर भी अपनी पहचान बना रहा है। इसकारण उत्तरप्रदेश कृषि व खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है। इसके बाद जब 21 से 25 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर व मार्ट में इंटरनेशनल ट्रेड शो 2023 का आयोजन होने जा रहा है, तब यह निश्चित है कि इस मेगा ट्रेड शो में फूड, डेयरी और एग्रो सेक्टर से जुड़ी व प्रदेश में व्यापक उपस्थिति रखने वाली कंपनियों को एक बड़ा मंच प्रदान किया जाएगा। इस ट्रेड शो में यूं पूरी दुनिया से ही सभी क्षेत्रों की तमाम दिग्गज कंपनियां हिस्सा लेंगी मगर खास तौर पर उत्तर प्रदेश में व्यापक उपस्थिति रखने वाली फूड, डेयरी व एग्रो बेस्ड कंपनियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे न केवल ये कंपनियां उत्तरप्रदेश की ब्रांडिंग का हिस्सा बनेंगी बल्कि व्यापक वैश्विक बाजार तक इन कंपनियों के प्रोडक्ट्स की पहुंच का मार्ग भी प्रशस्त हो सकेगा। इस मेगा ट्रेड शो में एग्रो, फूड व डेयरी बेस्ड जिन कंपनियों की व्यापक उपस्थिति रहने वाली हैं, उसमें पतंजली, हल्दीराम, प्रिया गोल्ड, बिकानेरवाला, वैद्यनाथ, रिचुअल फूड्स, फ्रेश फूड्स, ऑगस्टिया फूड्स, इंडियन बी कीपर श्री गिरिजा, पारस, अमूल, प्राइम फूड्स, ज्ञान डेयरी, क्रीमी फूड फेयर एक्सपोर्ट व अन्य प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त खाद्य, कृषि व डेयरी उत्पादों से संबंधित ग्रामीण, लघु व कुटीर उद्योगों को भी ट्रेड शो में प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, खाद्य प्रसंस्करणों से जुड़े विभागों, लॉजिस्टिक्स-वेयरहाउसिंग, पशुपालन, मत्स्य पालन, डेयरी व अन्य प्रमुख विभागों से संबंधित स्टॉल्स भी ट्रेड शो में व्यापक उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 255 , निफ्टी 93 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले मिश्रित संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से आई है। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई और इसमें उछाल आने लगा पर समय बीतने के साथ ही बाजार नीचे आ गया। कारोबार के दौरान वित्तीय और उपभोक्ता क्षेत्र के शेयरों में हुई बिकवाली से बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। कारोबार के दौरान बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, एचयूएल, एसबीआई, पावर ग्रिड, कोटक बैंक, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, टीसीएस, टाटा मोटर्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और आरआईएल के शेयरों में गिरावट आई। वहीं बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक मिश्रित रूप से बंद हुए और स्मॉलकैप सूचकांक 0.7 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 255.84 अंक करीब 0.39 फीसदी नीचे आकर 64,831.41 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,277.04 तक ऊपर जाने के बाद 64,723.63 तक फिसला।

दूसरी ओर पचास शेयरों पर अधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 93.65 अंक तकरीबन 0.48 फीसदी गिरावट के साथ ही 19,253.80 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,388.20 तक ऊपर जाने के बाद 19,223.65 के निचले स्तर पर पहुंचा।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 9 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। मारुति, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील और टेक महिंद्रा सेंसेक्स के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। मारुति के शेयर सबसे ज्यादा 2.22 फीसदी तक उछले।

इसके अलावा आईसीसीआई बैंक, जियो फाइनैंशियल सर्विसेज, एचसीएल टेक और विप्रो लाभ में रहे। वहीं सेंसेक्स के शेयरों में 21 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। इनमें एशियन पेंट्स, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, एसबीआई और एचयूएल रहे। एशियन पेंट्स के शेयर सबसे ज्यादा 1.33 फीसदी तक टूटे। आज सुबहगिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स 35 अंक बढ़कर 19,480 के स्तर पर पहुंच गया, जो कि निफ्टी फ्यूचर्स के गत दिवस के बंद स्तर के मुकाबले है।दूसरी ओर अमेरिकी बाजारों की बात करें तो चौथे दिन तेजी जारी रही। इससे डॉव जोन्स, नेसडेक कंपोजिट और एसएंडपी 500 सूचकांक 0.5 फीसदी ऊपर आया। इसके अलावा एशियाई बाजारों में भी शुरूआती कारोबार के दौरान बढ़त देखी गयी। निक्केई 225, टोपिक्स, कोस्पी और एसएंडपी 200 जैसे प्रमुख सूचकांक 0.3 फीसदी तक बढ़े।

अडानी ग्रुप पर लगे शेयरों में गड़बड़ी के आरोप

-ओसीसीआरपी नाम की संस्था ने लगाए आरोप

नई दिल्ली।

गौतम अडानी समूह पर ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) नाम की एक ग्लोबल संस्था ने गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। संस्था की रिपोर्ट के मुताबिक प्रमोटर परिवार के बिजनेस पार्टनर्स ने मॉरीशस स्थित गुमनाम निवेश फंडों के माध्यम से अडानी समूह के शेयरों में करोड़ों डॉलर का निवेश किया था।

इस रिपोर्ट में कहा कि इसकी जांच में कम से कम दो मामले पाए गए जहां गुमनाम निवेशकों ने ऐसी ऑफशोर स्ट्रक्चर के माध्यम से अडानी ग्रुप के स्टॉक खरीदा और बेचा। हालांकि, अडानी समूह ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। ओसीसीआरपीके आरोपों पर अडानी समूह ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। अडानी समूह ने कहा कि यह हिंडनबर्ग रिपोर्ट को पुनर्जीवित करने और समूह की प्रतिष्ठा को खराब करने के लिए विदेशी मीडिया के एक वर्ग द्वारा समर्थित प्रयास है। ओसीसीआरपी के आरोप के मुताबिक अडानी समूह ने मॉरीशस स्थित गुमनाम निवेश फंड्स के जरिए ग्रुप के शेयरों में करोड़ों रुपये लगाए हैं। बता दें कि ओसीसीआरपीको अरबपति जॉर्ज सोरोस और रॉकफेलर ब्रदर्स फंड जैसे संस्थाओं द्वारा फंडिंग मिलती है। जॉर्ज सोरोस वही अरबपति हैं, जो समय-समय पर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना करते रहते हैं।जनवरी महीने में अमेरिका की शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग ने भी ऐसे ही आरोप लगाए थे। हिंडनबर्ग ने कहा था कि अडानी ग्रुप ने शेल कंपनियों के जरिए शेयरों में गड़बड़ी की है। इसके अलावा ऑडिट और कर्ज समेत कई अन्य मुद्दों पर भी समूह को घेरा था। अडानी समूह ने हिंडनबर्ग के दावों को भ्रामक और बिना सबूत वाला बताया और कहा कि उसने हमेशा कानूनों का अनुपालन किया है। हालांकि, अडानी समूह को हिंडनबर्ग के खुलासे की कीमत भी चुकानी पड़ी। ग्रुप के सभी शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई और मार्केट कैप .150 बिलियन कम हो गया। हाल के महीनों में कुछ कर्ज चुकाने और कुछ निवेशकों का विश्वास हासिल करने के बाद सुधार के बाद रिकवरी देखने को मिल रही है। वहीं, रिपोर्ट के बाद गौतम अडानी की दौलत में भी बड़ी गिरावट आई और वह टॉप 25 अरबपतियों की सूची से भी बाहर हो गए थे। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद सेबी हिंडनबर्ग रिपोर्ट की जांच कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय में इस मामले की सुनवाई जल्द होगी। बता दें कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट में भी मॉरीशस का जिक्र किया गया था।

ओमुनि ने अपने 60-70 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

मुंबई ।

शिप्रॉकेट के स्वामित्व वाले रिटेल सास (सॉफ्टवेयर-ए-ए-सर्विस) प्लेटफॉर्म ओमुनि ने माह की शुरुआत में पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत अपने लगभग 60-70 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। सूत्रों के हवाले से बताया कि नौकरी में कटौती ने तकनीकी, उत्पाद और बिक्री टीमों के कर्मचारियों को प्रभावित किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि बेंगलुरु स्थित कंपनी सीईओ और सह-संस्थापक मुकुल बाफना और सीटीओ सुमीत चंडोक सहित वरिष्ठ प्रबंधन टीम को भी बाहर कर देगी। शिपरॉकेट के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, शिपरॉकेट में, हम एक पूर्ण-स्टैक ई-कॉमर्स सक्षम मंच का निर्माण कर रहे हैं और हमेशा साझेदारी, विलय और अधिग्रहण के माध्यम से अपने व्यापारियों के लिए एक बड़ा व्यावसायिक प्रभाव पैदा करने के अवसरों की तलाश में रहते हैं। जैसा कि हम ओमुनि सहित अधिग्रहणों के साथ तालमेल तलाशते हैं, इसके परिणामस्वरूप अक्सर संगठन-व्यापी स्तर पर कार्यबल का एकीकरण होता है और हमने विभिन्न समूह कंपनियों में कुछ टीमों को एकीकृत किया है। ओमुनि, जिसकी स्थापना 2014 में हुई थी, ब्रांडों और खुदरा विक्रेताओं के लिए एक सर्वव्यापी खुदरा मंच है। शिपरॉकेट ने पिछले साल जुलाई में स्टॉक और नकद सौदे में 200 करोड़ रुपये में ओमुनी को अरविंद इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड से खरीदा था।

रूस से कच्चे तेल का आयात 24 प्रतिशत घटा, 7 महीने में सबसे कम

रूस से कम तेल आयात किया। उन्होंने अगस्त में प्रतिदिन लगभग 1.57 मिलियन बैरल खरीदे। यह पिछले महीने की तुलना में 24 प्रतिशत की कमी थी, और जनवरी के बाद से सबसे कम तेल का आयात था। भारतीय तेल रिफाइनरियों ने इराक से भी कम तेल खरीदा, जो एक अन्य भारत का प्रमुख सप्लायर है। अगस्त में इराक से भारत का आयात पिछले महीने की तुलना में 10 प्रतिश घटकर 848,000 बैरल प्रति दिन रह गया। हालांकि, उन्होंने सऊदी अरब से अपने तेल आयात में भारी वृद्धि करके इस कमी की कुछ भरपाई की। सऊदी अरब से आयातित तेल की मात्रा एक ही महीने में 63 प्रतिशत बढ़ गई, जो प्रति दिन 852,000 बैरल तक पहुंच गई। पिछले साल से भारत रूस से काफी ज्यादा तेल आयात कर रहा है। मई में, भारत प्रतिदिन 2.15 मिलियन बैरल रूसी तेल का उपयोग करके अपने उच्चतम पॉइंट पर पहुंच गया था। यह बढ़ोतरी इसलिए हुई क्योंकि भारतीय तेल रिफाइनरियां रूस द्वारा बेचे जा रहे डिस्काउंट वाले तेल को खरीदना चाहती थीं। मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड, जिसकी यूनिट की क्षमता प्रतिदिन 301,000 बैरल है, उन्होंने आयात दो-तिहाई कम किया है। उनकी फैसिलिटी हर दिन 301,000 बैरल तेल प्रोसेस कर सकती है, लेकिन उन्होंने अपने आयात में दो-तिहाई की कटौती की है। एक अन्य कंपनी, रिलायंस इंडस्ट्रीज आमतौर पर प्रति दिन लगभग 1.2 से 1.3 मिलियन बैरल तेल खरीदती है। हालांकि, इस अवधि में उनकी खरीद घटकर 1.1 मिलियन बैरल प्रति दिन रह गई। केप्लर के प्रमुख क्रूड विश्लेषक विक्टर कटोना ने कहा, यह कमी इसलिए हुई क्योंकि वे सितंबर में अपनी तेल डिस्टिलेशन यूनिट का कुछ हिस्सा बंद करने की योजना बना रहे हैं।

गोयनका की अपील पर ज़ी मामले में सैट ने 4 सितंबर तक मांगा जवाब

नई दिल्ली ।

गोयनका की अपील पर ज़ी मामले में सैट संतुष्ट नहीं है, इसलिए फिर से जवाब मांगा है। जानकारी के अनुसार ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के प्रवर्तक पुनीत गोयनका की अपील पर सुनवाई करते हुए प्रतिभूति अपील पंचाट (सैट) ने बाजार नियामक सेबी को 4 सितंबर तक जवाब देने का निर्देश दिया है। पंचाट ने मामले पर अंतिम फैसले के लिए 8 सितंबर की तारीख तय की है। इस संबंध में न्यायमूर्ति तरुण अग्रवाल ने आज कहा` कि जहां तक आठ महीने तक चली जांच और आपकी तरफ से दी गई नोटिस का सवाल है, हम संतुष्ट नहीं हैं। ऐसे में यह अनिश्चितकाल तक नहीं चल सकता। मैं इससे सहमत नहीं हूं कि जिस आदेश को चुनौती दी गई है वह आठ महीने तक ऐसे ही पड़ा रहा। रकम की कथित हेराफेरी मामले में बाजार नियामक सेबी के पुष्टि वाले आदेश में गोयनका को ज़ी समूह की चार फर्मों और सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के साथ विलय के बाद बनने वाली इकाई में अहम प्रबंधकीय और निदेशक का पद लेने से रोक दिया गया था।

यह मामला येस बैंक में 200 करोड़ रुपये जमा को लेकर ज़ी के एक और प्रवर्तक सुभाष चंद्रा की तरफ से लेटर ऑफ कंफर्ट दिए जाने और फिर इस रकम की हेराफेरी संबंधित इकाइयों के जरिये करने से जुड़ा है।

वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने गोयनका के लिए दलील पेश करते हुए कहा कि सेबी का आदेश दंडात्मक है, न कि निरोधात्मक और आठ महीने की अवधि इस प्रावधान को अक्षम बनाता है। उन्होंने कहा कि सोनी के साथ विलय के बाद बनने वाली इकाई में निदेशक मंडल का ढांचा अलग होगा और सोनी पिक्चर्स के सदस्य बोर्ड में होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रस्ताव पर 99.99 फीसदी शेयरधारकों ने सहमति जताई थी। अग्रवाल ने कहा` कि अगर सार्वजनिक हित इसमें है कि अमुक व्यक्ति निदेशक बने रहे और कामकाज का प्रबंधन करे तो इस पर सिर्फ इस वजह से पाबंदी लगनी चाहिए कि विगत में रकम की हेराफेरी का कुछ मामला पाया गया था।

सितंबर में खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट संभव

एलपीजी के दामों में कटौती का असर होने का अनुमान

नई दिल्ली ।

एलपीजी गैस सिलिंडर के दामों में 200 रुपये की कटौती किए जाने से सितंबर में खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट संभव है। यह गिरावट 20 से 30 आधार अंक (बीपीएस) की हो सकती है। जानकारों के मुताबिक, इससे खुदरा मुद्रास्फीति केंद्रीय बैंक के छह फीसदी के ऊपरी दायरे से नीचे आ सकती है।

एक विश्लेषक के मुताबिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपाई) में एलपीजी का प्रत्यक्ष भार 1.29 प्रतिशत है। इससे तैयार भोजन के दाम पर भी परोक्ष असर पड़ता है, जिसका भार 5.6 फीसदी है। सिटी रिपोर्ट के मुताबिक, 'इसके मुताबिक मुद्रास्फीति में 30 आधार अंक की गिरावट आएगी। टमाटर के बढ़े हुए दाम भी घटने लगे हैं। लिहाजा सितंबर, 2023 में मुद्रास्फीति 6 फीसदी से कम आ सकती है। हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 24 की शेष अवधि में उपभोक्ताओं के 200 अरब रुपये या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 0.07 फीसदी की बचत होगी।' आईडीएफसी फर्स्ट बैंक इकनॉमिक्स रिसर्च में भी ऐसे ही रुझान हैं। सब्जियों के दामों में गिरावट का असर सितंबर में दिखाई देगा। इसके मुताबिक, 'हमारे सितंबर के अनुमानों के अनुसार इसमें और गिरावट आएगी। टमाटर के दामों में गिरावट और एलपीजी के दाम में कटौती होने से यह गिरावट आएगी।' उच्च मुद्रास्फीति और राज्यों व आम चुनाव निकट आने के दौर में एलपीजी के सभी सिलिंडरों के दामों में 200 रुपये की कटौती का फैसला किया गया है। जुलाई में खुदरा मुद्रास्फीति 15 महीने के उच्च स्तर 7.44 फीसदी पर पहुंच गई थी। इसका कारण सब्जियों, दालों, अनाजों और मसालों के दामों में बेतहाशा वृद्धि होना था।

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी नवीनतम मौद्रिक नीति की समीक्षा में सितंबर तिमाही के मुद्रास्फीति के अनुमानों को संशोधित कर 6.2 प्रतिशत किया और वित्त वर्ष 24 के लिए 5.4 प्रतिशत किया है। हालांकि नीतिगत दर 6.5 प्रतिशत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। बैंक ऑफ बड़ौदा के केयर रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस, 'एलपीजी के दाम में कटौती करने का निश्चित रूप से मुद्रास्फीति पर सुखद प्रभाव पड़ेगा। हमें देखना होगा कि यह कटौती कब तक रहती है और क्या इसे चुनाव के बाद वापस लिया जाता है।

डेल, एचपी समेत वैश्विक दिग्गज कंपनियों ने पीएलआई में दिखाई दिलचस्पी

- भारत में कंप्यूटर बनाने के लिए कतार में लगी दुनिया भर की कंपनियां

नई दिल्ली ।

भारत में कंप्यूटर बनाने के लिए पीएलआई योजना के तहत दु निया की दिग्गज कंपनियां कतार में लग गई हैं। बता दें कि आईटी हार्डवेयर के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना बदलकर लाई गई है। सरकार की इस योजना के तहत कुल 32 कंपनियों ने देश में पर्सनल कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, सर्वर तथा एज कंप्यूटर उपकरण बनाने के लिए आवेदन किया है। इनमें डेल, ह्यूलेट पैकर्ड (एचपी), फॉक्सकॉन, आसुस, एसर और फ्लेक्स जैसी कंपनियां शामिल हैं। फॉक्सकॉन ने अपनी सहायक इकाई के जरिये पीएलआई के लिए आवेदन किया है। हालों कि इस योजना के तहत पंजीकरण के लिए आवेदन की आज आखिरी तारीख थी। केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस योजना से अगले 6 साल में 3.35 लाख करोड़ रुपये का वृद्धिशील उत्पादन होने की उम्मीद है। पीएलआई 2.0 के तहत आए कुल 32 आवेदनों में से करीब 8 कंपनियों ने इस योजना में शामिल की गई नई हाइब्रिड श्रेणी के अंतर्गत आवेदन किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि करीब 25 आवेदन स्थानीय कंपनियों से आए हैं। आवेदन करने वाली भारतीय कंपनियों में डिक्सन टेक्नोलॉजीज, वीवीडीएन टेक्नोलॉजीज, ऑप्टिमस टेलीकम्युनिकेशन और सहस्र इलेक्ट्रॉनिक सॉल्यूशंस आदि शामिल हैं। संशोधित योजना में उपकरणों को देश में ही बने कलपुर्जों के साथ असेंबल करने पर अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की बात है। स्थानीय स्तर पर तैयार प्रोसेसर के साथ हार्डवेयर असेंबल करने वाली कंपनियों को वृद्धिशील बिक्री का 3 फीसदी प्रोत्साहन के तौर पर दिया जा सकता है। कुल मिलाकर 8 से 9 फीसदी प्रोत्साहन मिल सकता है।

मंत्री वैष्णव ने कहा कि इस अतिरिक्त प्रोत्साहन से उत्पादन में 35 से 48 फीसदी मूल्यवर्धन स्थानीय स्तर पर होगा। उन्होंने कहा कि कई कंपनियों ने अपनी स्थानीय डिजाइन प्रक्रिया भी तेज की है, जिससे मूल्यवर्धन और भी बढ़ जाएगा। वैष्णव ने कहा` कि देश में पीसी, लैपटॉप और सर्वर बनाने के लिए प्रतिक्रिया बहुत उत्साह भरी है। आवेदन करने वाली सभी कंपनियां तेजी से उत्पादन करने तथा मौजूदा उत्पादन को बढ़ाने में जुट गई हैं।

भारत-पाकिस्तान मैच में बारिश बन सकती है बाधा

कैंडी । एशिया कप में भारत-पाक के बीच 2 सितंबर को यहां होने वाले मैच में बारिश बाधा डाल सकती है। मौसम विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार इस दिन कैंडी में बारिश की 90 फीसदी बारिश की संभावना है। इसके साथ ही तेज हवाएं भी चल सकती हैं। अगर ऐसा हुआ तो मैच रद्द हो सकता है। इसका ज्यादा लाभ पाक को मिलेगा क्योंकि उसने अपने पहले ही मैच में नेपाल के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की है। भारत और पाकिस्तान का मैच यदि रद्द हो जाता है, तो दोनों ही टीमों को एक-एक अंक मिलेंगे। इस मैच के लिए कोई रिजर्व-डे नहीं रखा गया है। ऐसे में पाकिस्तान के 2 मैच में 3 अंक हो जाएंगे और टीम सुपर-4 के लिए क्वालिफाई कर जाएगी। फिर 4 सितंबर को भारत और नेपाल के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम सुपर-4 में पहुंचने वाली दूसरी टीम बनेगी। नेपाल की टीम पहली बार एशिया कप में उतर रही है। भारत और नेपाल के बीच इससे पहले कोई मुकाबला नहीं हुआ है।

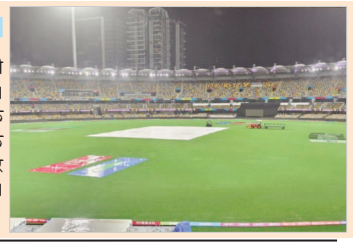

इंग्लैंड ने पहले ही टी20 में न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया

चेस्टर लेस्ट्रीट ।

इंग्लैंड ने यहां न्यूजीलैंड को पहले टी20 में सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 139 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले इस लक्ष्य को इंग्लैंड ने केवल 14 ओवरों में ही तीन विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इंग्लैंड की ओर से डेविड मलान ने सबसे ज्यादा 54 जबकि हैरी ब्रुक ने 43 रन बनाये। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। टी20 विश्व विजेता बनने के बाद इंग्लैंड की इस प्रारुप में ये पहली जीत है। वहीं टीम साउदी ने इस मैच में विके लेते ही टी20 अंतराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकार्ड अपने नाम किया। साउदी के अब सबसे अधिक 141 विकेट हो गये हैं जबकि दूसरे स्थान पर 140 विकेट के साथ ही शाकिब अल हसन और 130 विकेट के साथ ही तीसरे स्थान पर राशिद खान हैं। इस मैच में इंग्लैंड की ओर से पदार्पण करने वाले ब्रायडन कार्स ने घातक गेंदबाजी की। कार्स और वुड ने कीवी बल्लेबाजी को ढ़हा दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने तेज शुरुआत की पर एक बार जो विकेट गिरने शुरु हुए तो टीम दबाव में आकर बिखर गयी। डेवोन कॉन्वे 3 और टिम सेफर्ट 9 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। ये दोनों विकेट वुड ने लिए।

इसके बाद एलन ने 21 रन जबकि ग्लेन फिलिप्स ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाये।

वहीं अंत में ईश सोढ़ी ने 16 रन बनाकर टीम को 9 विकेट पर 139 रनों तक पहुंचाया।

वहीं इंग्लैंड की ओर से वुड ने 37 रन देकर 3 जबकि कार्स ने 23 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और जॉनी बेयरस्टो पहले ही ओवर में 4 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये पर इसके बाद विल जैक और मलान ने पारी को संभाल लिया।

महिला नेत्रहीन क्रिकेट टीम की कप्तान का छलका दर्द

नई दिल्ली ।

भारतीय महिला नेत्रहीन क्रिकेट टीम की कप्तान वर्षा ने भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतने पर नीरज चोपड़ा को बधाई दी है। साथ ही कहा कि हमें उनकी इस उपलब्धि पर गर्व है। इस दौरान वर्षा का दर्द छलक गया गया और कहा कि उनकी टीम को बर्मिंघम में विश्व खेलों में स्वर्ण पदक जीतने पर भी पहचान नहीं मिल पायी। महिला नेत्रहीन क्रिकेट टीम की जीत के बाद नीरज ने बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप- 2023 में स्वर्ण पदक जीता। जिसका जश्न पूरे देश ने मनाया पर महिला नेत्रहीन टीम की जीत पर ज्यादा चर्चा नहीं हुई न ही कोई पुरस्कार मिला। इससे पता चलता है कि सभी स्वर्ण पदक एक जैसे और समान नहीं होते हैं जबकि। विश्व खेलों में पहली बार फाइनल जीतना कोई आसान बात नहीं है। भारतीय महिला टीम कम संसाधनों और समर्थन के बाद भी ये सफलता हासिल की है। वर्षा ने कहा, मेरे और मेरी टीम के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि हमने बर्मिंघम में विश्व खेलों में अपना पहला फाइनल जीता। यह स्वर्ण पदक जीत हमारे लिए बहुत कीमती है और हम सभी से समर्थन करने का अनुरोध करते हैं। नेत्रहीनी होने के कारण हमें खेलों में कई चुनौतियों से पार पाना पड़ता है, इसलिए हम बीसीसीआई और भारत सरकार से समर्थन करने का आग्रह करते हैं।

दक्षिण अफ्रीका दौरे में कमिंस का तरीका ही अपनाएंगे मार्श

मेलबर्न। दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान बनाये गये मिशेल मार्श ने कहा है कि वह कप्तान के तौर पर सीमित ओवरों के इस दौरे में कोई नया प्रयोग नहीं करेंगे। मार्श ने कहा कि अब तक कप्तान के तौर नियमित कप्तान पीट कमिंस ने जो तरीका अपनाया है उसे ही वह भी इस दौरे में भी अमल में लायेंगे। मार्श को नियमित कप्तान कमिंस के फिट नहीं होने के कारण कप्तानी दी गयी है। उन्होंने कहा कि वह इस दौर में उसी रास्ते पर चलेंगे जिस पर कमिंस चलते आये हैं। कमिंस अभी कलाई की चोट से उबर रहे हैं। इसी कारण मार्श को ऑस्ट्रेलिया की टी20 और एकदिवसीय टीम की कप्तानी मिली है। मार्श ने कहा, 'मैं किसी तरह के नए प्रयोग के पक्ष में नहीं हूं। मेरा मानना है कि नेतृत्व कौशल के लिए जो सबसे अहम चीज है वह अपने प्रति ईमानदार होना है। उन्होंने कहा, 'कमिंस और कोच मैकडोनाल्ड ने हमारी टीम के अंदर बहुत अच्छा माहौल तैयार किया है जिससे बनाये रखा जाएगा। मेरा प्रयास रहेगा कि टीम में ऐसा माहौल रहे जिससे कि खिलाड़ी उत्साह से खेलें। मार्श को उम्मीद है कि भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के दौरान कमिंस उन पर भरोसा दिखाएंगे। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि कमिंस की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह कप्तानी करते हुए अन्य खिलाड़ियों पर भी आधारित रहते हैं। वह अच्छे तरीके से अपनी भूमिका निभाते हैं। मार्श ने कहा, 'गेंदबाज होने के कारण हर प्रारूप के सभी मैचों में खेलना उसके लिए संभव नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी20 में दक्षिण अफ्रीका को 111 रनों से हराया

डरबन ।

ऑस्ट्रेलिया ने यहां मेजबान दक्षिण अफ्रीका को पहले ही टी20 मैच में 111 रनों से हरा दिया। इस प्रकार तीन टी20 मैचों की इस सीरीज में दक्षिण अफ्रीकी टीम 1-0 से आगे हो गयी है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की जीत में कप्तान मिचेल मार्श की अहम भूमिका रही। मार्श ने सबसे अधिक 92 रन बनाए। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट पर 226 रन बनाए। मार्श ने 13 चौके और 2 छक्के लगाकर कीवी गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। मार्श के अलावा अलावा टिम डेविड ने 64 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से लिजाद विलियम्स ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। इसके अलावा मार्को यानसन, तबरेज

शम्सी और गेराल्ड कोएट्जी को भी 1-1 विकेट मिला। जीत के लिए मिले 227 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम ढ़ह गयी।

रीजा हेंड्रिक्स ही 56 रन बना पाये बाकि अन्य बल्लेबाज एक के बाद एक पेवेलियन लौटते गये। टीम 15.3 ओवरों में ही 115 रनों पर सिमट गयी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से भारतीय मूल के गेंदबाज तनवीर सांघा ने 4 जबकि मार्कस स्टोयनिस ने 3 विकेट मिले। वहीं स्पेंसर जॉनसन को 2 जबकि सीन एबॉट को एक विकेट मिला।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी ओपन : जोकोविच जीत के साथ ही तीसरे दौर में पहुंचे रूड, सितसिपास बाहर हुए

न्यूयॉर्क। सर्बिया के नोवाक जोकोविच जीत के साथ ही अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंच गये हैं जबकि नार्वे के कैस्पर रूड और स्टेफानोस सितसिपास हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। जोकोविच ने पुरुष एकल में स्पेन के बर्नाब मिरालेस को 6-4, 6-1, 6-1 से हराया। अब अगले दौर में उनका सामना अपने ही देश के लासलो जेरे से होगा। वहीं चीन के झांग झीजेन ने रूड को तीन घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में 6-4, 5-7, 6-2, 0-6, 6-2 से हराकर एक बड़ा उलटफेर किया। इसके अलावा स्विट्जरलैंड के डोमिनिक स्ट्राइकर ने भी सितसिपास को कड़े मुकाबले में 7-5, 6-7(2), 6-7(5), 7-6(6), 6-3 से पराजित कर सनसनी फैला दी। वहीं सर्बिया के जोकोविच अपने 24वें ग्रैंड स्लैम खिताब की ओर बढ़ गये हैं। मिरालेस को हराकर वह एक बार फिर एटीपी रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंच गये हैं। जोकोविच ने इस मुकाबले में सभी छह ब्रेक अंक बचाते हुए दो घंटे में ये मुकाबला जीत लिया। जोकोविच ने जीत के बाद कहा कि उन्होंने अच्छी शुरुआत की है।

एशिया कप में लिटन , तमीम जैसे खिलाड़ियों की कमी खलेगी : शाकिब

पालेकल । बांग्लादेश क्रिकेट टीम के कप्तान शाकिब अल हसन ने कहा है कि एशिया कप में उनकी टीम को लिटन दास, तमीम इकबाल जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की कमी खलेगी। शाकिब ने कहा कि इसके बाद भी कई खिलाड़ी हैं जो इनकी जगह ले सकते हैं, इसलिए हमारी संभावनाएं प्रभावित नहीं होंगी। बांग्लादेश की टीम में लिटन और तमीम के अलावा इबादत हुसैन भी शामिल नहीं हैं। लिटन जहां बीमार हैं, वहीं इकबाल और इबादत चोट से नहीं उबरे हैं। शाकिब ने कहा, 'खिलाड़ियों की कमी खलेगी। विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन पिछले चार या पांच वर्षों से टीम का हिस्सा रहा है और वह लगातार अच्छा प्रदर्शन करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि जिन खिलाड़ियों को इनके विकल्प के तौर पर शामिल किया जा रहा है उनके पास अपने को साबित करने का अवसर है। शाकिब ने कहा कि टीम में शामिल तौहित हृदय जैसे युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। वह साल 2020 में बांग्लादेश की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम में भी रहे हैं। शाकिब ने कहा, 'जहां तक तौहित का संबंध है तो वह इस साल हमारे लिये वास्तव में अच्छा खेल रहा है। उसने हाल में लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) में अच्छा प्रदर्शन किया था। इससे एशिया कप के लिए उसका मनोबल बढ़ेगा। शाकिब ने कहा कि उनकी टीम की नजरें आगामी आईसीसी विश्व कप पर हैं लेकिन अभी उनकी टीम का पूरा ध्यान एशिया कप पर है।

सूर्यकुमार को एकदिवसीय विश्वकप के लिए शामिल करने से पहले सभी बातों पर गौर करे प्रबंधन - मांजरेकर

नई दिल्ली ।

पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है आगामी एकदिवसीय विश्वकप से पहले बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को लेकर कोई फैसला करना होगा। मांजरेकर के अनुसार सूर्यकुमार टी20 में बेहद सफल रहे हैं और कभी भी मैच का रुख बदलने की क्षमता उनमें है पर एकदिवसीय में वह अब भी अधिक सफल नहीं हुए हैं। इसलिए उनको शामिल करने से पहले देखना होगा कि वह सभी मानकों पर खरे उतरते हैं या नहीं।

मांजरेकर ने सूर्यकुमार के टूर्नामेंट में खेलने को लेकर कहा, 'यह बल्लेबाज अगर अच्छी फॉर्म में हो तो अधिकांश मामले सुलझ जाते है। टीम प्रबंधन उनके नाम पर विचार करेगा हालांकि 50 ओवर के क्रिकेट में वह वैसा प्रभाव नहीं छोड़ पाया है जैसा टी20 में उसने दिखाया है इसलिए उसे खिलाना एक लालच के समान है क्योंकि जब पारी में 15 से 17 ओवर बचे हों और वह मैदान पर उतरे तो मैच का रुख बदल सकता है। उन्होंने कहा, 'भारत को इस मामले का हल निकालना होगा कि वे सूर्यकुमार को शामिल करना चाहते हैं या नहीं। मांजरेकर ने साथ ही कहा कि अगर विश्वकप में भारत को अच्छा प्रदर्शन करना हे तो तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को काफी गेंदबाजी करनी होगी। उन्होंने कहा, 'पांड्या की गेंदबाज फॉर्म थोड़ी चिंता की बात है। इसका कारण है कि विश्व कप में

आपको काफी कड़ी मेहनत करनी होती है। ऐसे में आपको एक ऑलराउंडर के रूप में उसकी जरूरत है।

केवल बल्लेबाज के रूप में नहीं, इसलिए उसे प्रत्येक पारी में कम से कम छह से सात ओवर फेंकने होंगे। मांजरेकर ने कहा, 'जब भारत ने 2011 में विश्व कप जीता था तब सुरेश रैना और युवराज सिंह ने भी बीच के ओवरों में गेंदबाजी की थी।

भारत में भी अब लोकप्रिय हो रहा भाला फेंक : नीरज

ज्यूरिख । विश्व एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने कहा है कि भारत में भी अब भाला फेंक लोकप्रिय हो रहा है और लोग इस खेल को पसंद करने लगे हैं। इसी को देखते हुए भारत अब 2027 में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी भी कर सकता है। नीरज के अनुसार भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) इसके लिए बोली लगा सकता है। इस चैम्पियन खिलाड़ी से जब भारत की विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी की संभावना और दर्शकों के भाला फेंक स्पर्धा को देखने के लिए पहुंचने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वे बोली लगाने जा रहे हैं। मेरा मानना है कि इसके आयोजन पर बढ़ी तादाद में लोग इस प्रतियोगिता को देखने आयेंगे। उन्होंने कहा कि भारत में भाला फेंक भी अब लोकप्रिय हो गया है। साथ ही कहा कि हमें एथलेटिक्स को समझने की जरूरत है क्योंकि एथलेटिक्स केवल भाला फेंक तक ही सीमित नहीं है। इसमें कई अन्य स्पर्धाएं भी शामिल हैं। इसलिए हमें दर्शकों को स्टेडियम में पहुंचने प्रेरित करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत में भी लोग अब खेल का समर्थन कर रहे हैं और एथलेटिक्स में रुचि ले रहे हैं। विश्व एथलेटिक्स की भाला फेंक स्पर्धा में शीर्ष छह में से तीन भारतीय खिलाड़ी थे। गौरतब है कि विश्व एथलेटिक्स की मेजबानी के लिए भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) को बोली लगानी होगी पर उसे सबसे पहले सरकार से अनुमति लेनी होगी।

भारत-पाक एशिया कप में जीत के प्रबल दावेदार : अश्विन

चेन्नई । अनुभवी स्पिनर आर अश्विन का मानना है का मानना है कि एशिया कप में भारत और पाकिस्तान दोनो ही खिताब के प्रबल दावेदार हैं। अश्विन के अनुसार पाक को हराना आसान नहीं रहेगा क्योंकि उसकी टीम में कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान जैसे खिलाड़ी हैं। अश्विन ने कहा, ' आजम और रिजवान अगर लगातार अच्छी पारियां खेलते रहे तो एशिया कप और विश्व कप में पाकिस्तान की टीम खतरनाक बन जायेगी। एशिया कप में पाक का मुकाबला दो सितंबर को भारत से होगा। पाक के खिलाफ भारत ने पिछले तीनों ही एकदिवसीय जीते हैं। अश्विन का मानना है कि पाक टीम की गहराई उसे एशिया कप और विश्व कप में प्रबल दावेदार बनाती है। उन्होंने कहा, 'पाक के पास काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। टेप गेंद क्रिकेट के कारण उनके पास हमेशा शानदार तेज गेंदबाज रहें हैं। उनकी बल्लेबाजी भी पिछले कुछ समय में लीग क्रिकेट खेलने के कारण बेहतर हुई है। इसका कारण विभिन्न टी20 लीगों में खेलना रहा है। पांच छह साल में उनकी बल्लेबाजी फिर बेहतर हुई है।

इंग्लैंड में अब महिला क्रिकेटरों को भी पुरुष क्रिकेटरों के बराबर फीस मिलेगी

लंदन ।

अब इंग्लैंड के पुरुष ओर महिला क्रिकेटरों को एक बराबर मैच फीस मिलेगी। क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने महिला और पुरुष क्रिकेटरों की मैच फीस एक बराबर करने की घोषणा की है। अब तक पुरुष क्रिकेटरों के मुकाबले महिला क्रिकेटरों को बेहद कम फीस मिलती थी। इससे पहले भारत, भारत, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड बोर्ड ने अपने क्रिकेटरों की मैच फीस को बराबर कर दिया था। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पहले ही आईसीसी टूर्नामेंट में पुरुष और महिला टीमों को एक बराबर पुरस्कार राशि की घोषणा कर दी थी। इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हीथर नाइट ने समान फीस देने की घोषणा को शानदार बताया है। साथ ही कहा कि इससे क्रिकेट के प्रति युवा लड़कियों की रुचि बढ़ेगी। उन्होंने कहा, 'यह बहुत जरूरी है कि हम महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाना जारी रखें। इंग्लैंड की महिलाओं और इंग्लैंड के पुरुषों के लिए समान मैच फीस देखना शानदार है। उन्होंने कहा, 'महिलाओं के खेल के लिये यात्रा की दिशा हमेशा सबसे अहम रही है। हमारा लक्ष्य एक टिकाऊ उत्पाद बनाना रहा है, जिसे लोग देखना और खेलना चाहते हैं। साथ ही कहा कि समान मैच फीस के फैसले से क्रिकेट में करियर बनाने अधिक से अधिक लड़कियां आयेंगी। वहीं ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रिचर्ड गोल्ड ने कहा कि महिला क्रिकेट में निवेश बढ़ाने से ही आज कई युवा प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा, 'रोमांचक महिला एशेज श्रृंखला ने

साबित किया है कि देश में स्टेडियम और टीवी पर दर्शकों की उपस्थिति तेजी से बढ़ी है। गोल्ड ने कहा, 'महिलाओं और लड़कियों के खेल को बढ़ाना हमारे लिये एक प्रमुख प्राथमिकता है। हाल के वर्षों में हमने भविष्य के खिलाड़ियों में निवेश शुरु कर दिया है। इसके तहत उन्हें कई सुविधाएं दी जा रही हैं।

स्टोक्स की वापसी से विश्वकप में लाभ मिलेगा : बटलर

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान जोस बटलर ने ऑलराउंडर बेन स्टोक्स की जमकर सराहना की है। स्टोक्स ने एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए वापसी की है। अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय मैचों की सीरीज में भी स्टोक्स खेलेंगे। बटलर के अनुसार स्टोक्स की वापसी से उन्हें खुशी हुई है क्योंकि वह एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार वह हर क्षेत्र में बेहतर हैं। विश्व कप में स्टोक्स जैसे खिलाड़ी होना अंतर पैदा करता है। आप उसके जैसे खिलाड़ियों को बड़े टूर्नामेंटों में खेलते हुए देखना चाहते हैं, इसलिए स्टोक्स के होने का लाभ उनकी टीम को मिलेगा। साथ ही कहा कि जब टीम को उस स्तर का कोई खिलाड़ी मिलता है तो उसके लिए जीत दर्ज करना आसान होता है। आप इसी कारण उन्हें अपनी टीम में वापस चाहते हैं। स्टोक्स ने गत विश्वकप में इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। तब उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में नाबाद 84 रन बनाए थे। बटलर के अनुसार, वह एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में एकदिवसीय टीम में वापसी करेंगे। बटलर ने कहा, विश्व कप के लिए मेरे नाम पर विचार किया जाना पसंद है, इसलिए मैंने इसे वहीं छोड़ दिया और कहा कि आप एशेज के बाद मुझे बताएं कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं। हमने उसके बाद बात की, उन्होंने कहा कि वह उपलब्ध रहेंगे।

गुजरात ने विकास की राजनीति से योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ने की बेहतरीन मिशाल पेश की

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को मातपुर-ब्राह्मणवाड़ा उद्वहन सिंचाई योजना का लोकार्पण करते हुए कहा कि गुजरात ने विकास की राजनीति के माध्यम से योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ने की बेहतरीन मिशाल पेश की है। मुख्यमंत्री ने इसका श्रेय तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं देश के प्रधानमंत्री के नरेन्द्र मोदी को देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में देश का श्रेष्ठ विकास हो रहा है और दुनिया में भारत का गौरव बढ़ रहा है। उन्होंने चंद्रयान-3 की चंद्रमा की सतह पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग को भारत की यशोगाथा का एक महत्वपूर्ण अध्याय बताया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर सभी से विकसित गुजरात के निर्माण के जरिए विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध होने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार हमेशा किसानों के साथ खड़ी रही है और आगे भी रहेगी। उन्होंने कहा कि बारिश ना होने की स्थिति में खेती और किसान को परेशान न होना पड़े इसके लिए राज्य सरकार ने कृषि के लिए दस घंटे बिजली आपूर्ति करने और आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई के लिए नहरों में पानी छोड़ने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने हेतु वर्तमान समय की तैयारियों के लिए राज्य सरकार हमेशा सतर्क है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भविष्य की जरूरतों पर विचार करते हुए विकास कार्यों की कार्ययोजना तैयार करती है। उन्होंने प्रत्येक जिले में 75 अमृत सरोवरों के निर्माण को जल संचयन के लिए एक अहम कार्य बताया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि विकास कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा को भी महत्व देना होगा। ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या का सामना करने के लिए प्रदूषण को रोकने के अलावा जल संचयन और वृक्षारोपण के महत्व को भी समझना होगा। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को नियंत्रित करने का अनुरोध किया और प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में देश भर में चल रहे 'मिशन लाइफ' अभियान को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अंतिम छोर पर खड़े जरूरतमंद लोगों तक विकास योजना को पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने राज्य की विकास यात्रा में जन शक्ति की सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' को कर्म मंत्र बनाकर विकसित भारत के निर्माण के लिए देश के अमृत काल के अनुपम अवसर पर सभी से संकल्पबद्ध होने का अनुरोध भी किया। मुख्यमंत्री ने ऊंझा में 8 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित सरदार वल्लभभाई पटेल टाउन हॉल का ई-लोकार्पण किया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों ने मुख्यमंत्री का स्वागत-सम्मान किया।

स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कहा कि 69 करोड़ रुपए की महत्वाकांक्षी योजना से यहां की धरा पर मां नर्मदा का अवतरण हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार उत्तर गुजरात की धरती को नवपल्लवित कर किसानों की समृद्धि की दिशा में काम कर रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उत्तर गुजरात को 'उत्तम गुजरात' बनाने के लिए कई विकास कार्य किए हैं। सुजलाम सुफलाम योजना सहित नदी में बैराज बनाकर जमीन के तल को ऊंचा उठाने की दिशा में सरकार काम कर रही है। ऋषिकेश पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पूरी 'टीम गुजरात' किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने का भगीरथ कार्य कर रही है। राज्य, विकास की नई ऊंचाई की ओर अग्रसर है, और राज्य सरकार द्वारा किसानों और गांवों को समृद्ध बनाने के लिए अनेक योजनाएं क्रियान्वित की गई हैं। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता ने राष्ट्र का गौरव बढ़ाया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश तेज गति से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिखाए मार्ग पर गुजरात लगातार अग्रसर है।

जल संसाधन एवं जलापूर्ति मंत्री कुंवरजी बावळिया ने कहा कि सरकार उत्तर गुजरात को 'उत्तम गुजरात' बनाने के संकल्प के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों के किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने तथा प्रत्येक व्यक्ति को काम मिले, इसके लिए सरकार 'हर खेत को पानी, हर हाथ को काम' सूत्र को साकार करने के लिए कटिबद्ध है। जलापूर्ति मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की जल प्रबंधन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सरकार द्वारा जल संचयन और भूगर्भ जल रिचार्ज के माध्यम से सूखी भूमि को हरा-भरा बनाने का काम किया जा रहा है।

शादी की लालच देकर युवक ने युवती शारीरिक संबंध और बाद में मुकर गया

अहमदाबाद। शहर के पूर्वी क्षेत्र नरोडा में रहनेवाले युवक ने कॉलेज की एक छात्रा को पहले अपने प्रेमजाल में फांसा और बाद में उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। अपना स्वार्थ पूरा होने के बाद युवक ने युवती के साथ शादी करने से साफ इंकार कर दिया। आखिर मामला थाने पहुंच गया और युवती की शिकायत के आधार पर युवक के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक पूर्वी अहमदाबाद के नरोडा क्षेत्र में रहनेवाले जय पटेल नामक युवक ने कॉलेज छात्रा को अपने प्रेमजाल में फांस लिया। युवती के फंसने के बाद आरोपी जय उससे शारीरिक संबंध बनाने की मांग करने लगा। लेकिन युवती ने ऐसा करने से मना कर दिया। जय पटेल का एक मात्र उद्देश्य से युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाना। लेकिन युवती के इंकार के बाद जय ने युवती से कहा कि चल कहीं घूमने जाते हैं। युवती तैयार हो गई और मोटर साइकिल पर जय के साथ घूमने चली गई। युवती के साथ आने पर जय पटेल उसे एक होटल में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। अपना उद्देश्य पूरा होने के बाद जय ने युवती के साथ शादी करने से इंकार कर दिया। साथ ही उसे धमकी दी कि अगर उसने किसी से कुछ कहा तो वह उसे औ उसके परिवार को जान से मार देगा। पीड़ित युवती की शिकायत के आधार पर नरोडा पुलिस ने आरोपी जय पटेल को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है।

14 साल के विद्यार्थी से अप्राकृतिक यौन शोषण करने वाला होस्टेल का गृहपति गिरफ्तार

राजकोट ।

शिक्षा जगत को शर्मशार करने वाली एक और घटना राजकोट से सामने आई है। जिसमें एक होस्टेल का गृहपति 14 वर्षीय किशोर को अश्लील वीडियो दिखाता और उसका अप्राकृतिक यौन शोषण करता था। किशोर किसी से ना बताए इसके लिए उसकी बेल्ट से पिटाई भी करता था। घटना सामने आने के बाद पीड़ित किशोर की परिजनों की शिकायत के आधार पर राजकोट की मालवियानगर पुलिस ने मामला दर्ज आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक राजकोट में लेउवा पटेल बोर्डिंग में रहनेवाला 14 वर्षीय किशोर कक्षा 8 का विद्यार्थी है। जिसे होस्टेल का गृहपति ने इतना पीटा कि उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। परिवार और पुलिस की पूछताछ में पहले किशोर ने बताया कि उसके दोस्तों ने मारपीट की थी। लेकिन बाद में परिवार ने बताया कि होस्टेल का गृहपति हसमुख वसोया पिछले काफी समय से किशोर को अपने मोबाइल में अश्लील वीडियो दिखाता और उसके साथ अप्राकृतिक यौन शोषण कर रहा था। इतना ही नहीं हसमुख वसोया किशोर की बेल्ट से बुरी तरह पिटाई भी करता था, जिससे वह किसी से शिकायत ना करे। हसमुख वसोया ने किशोर को धमकी दे रखी थी कि अगर उसने किसी से कुछ बताया तो वह उसे जान से मार देगा। गत सोमवार को रोज के तरह हसमुख वसोया ने किशोर के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म किया और उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। इस घटना में गंभीर रूप से घायल होने पर किशोर को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। पीड़ित की शिकायत के आधार पर राजकोट की मालवियानगर पुलिस ने हसमुख वसोया को गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ पोक्सो-6/12 और 3।।, 506 समेत विभिन्न दफाओं के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। पुलिस यह भी जांच करेगी कि हसमुख वसोया ने अब तक कितने विद्यार्थियों को अपनी हवस का शिकार बनाया है। लेउवा पटेल होस्टेल में 330 जितने विद्यार्थी रहते हैं और हसमुख वसोया वर्ष 2009 से यहां बतौर गृहपति के तौर कार्यरत है।

चंद्रयान 3 की डिजाइन बनाने वाले फर्जी व्यक्ति को क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार

सूरत। इसरो के चंद्रयान-3 मिशन के लैंडर के डिजाइन बनाने का दावा करने मितुल त्रिवेदी को सूरत सिटी पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि त्रिवेदी के दावों को इसरो के अधिकारियों ने सिरे से खारिज कर दिया है, इसके कारण उसकी गिरफ्तारी हुई। त्रिवेदी ने हाल ही में चंद्रयान-3 के लैंडर के डिजाइन के पीछे एक प्रमुख व्यक्ति होने के अपने दावे को लेकर लोगों का ध्यान आकर्षित किया, उन्होंने दावा किया कि इनोवेशन ने लैंडिंग पर धूल के बिखरने को रोका। पुलिस ने शुरू में त्रिवेदी को वेरिफिकेशन के लिए बुलाया था, लेकिन अपने दावों को साबित करने में असमर्थता के चलते मामला क्राइम ब्रांच ने देखा। वहीं बेंगलुरु स्थित इसरो मुख्यालय ने अंतरिक्ष एजेंसी के साथ उसके इस दावे का खंडन किया। पुलिस ने त्रिवेदी की क्वालिफिकेशन की जांच की। उनके दावे प्रतिष्ठित इंस्टीट्यूशन में एकेडमिक के दावों तक विस्तारित हुए, इनमें क्वांटम फिजिक्स के लिए कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी और एंथ्रोपोलॉजी और वेदांत के लिए ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी शामिल हैं, जिसका समापन पीएचडी में हुआ।

त्रिवेदी ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण में सदस्यता और 45 प्राचीन भाषाओं को पढ़ने में असाधारण दक्षता का भी दावा किया था। बाद में उन्हें सूरत पुलिस की स्पेशल ब्रांच के डीसीपी हेतल पटेल ने तलब किया। अधिकारियों ने उनके दावे के समर्थन में दस्तावेजों का अनुरोध किया था, जिसे पूरा करने में त्रिवेदी विफल रहे। यह पहली बार नहीं है जब त्रिवेदी ने असाधारण दावे किए हैं। इससे पहले उन्होंने दक्षिण गुजरात के ओलपाड के पास समुद्र में द्वारिका नाम की एक स्वर्ण नगरी के अस्तित्व पर दावा किया था।

अच्छी नींद और बैठने का बेहतर अनुभव :ध स्लीप कंपनी ने सूरत में अपना पहला स्टोर लॉन्च किया

सूरत भूमि, सूरत। एशिया में शांतिपूर्ण और अच्छी नींद के लिए स्मार्टग्रिड तकनीक में अग्रणी, ध स्लीप कंपनी सूरत में अपना पहला अनुभव स्टोर खोलने की घोषणा करके गौरवांतित है। अहमदाबाद में विस्तरण की सफलता के आधार पर कंपनी का यह नया लॉन्च पूरे भारत में दी स्लीप कंपनी के उत्पादों की मजबूत मांग का प्रमाण है। यह नया स्टोर शुरू करने के बाद, स्लीप कंपनी अब देश भर में 42 स्टोर का संचालन कर रही है। इस वर्ष के अंत तक 100+ स्टोर की उपलब्धि हासिल करने के लिए कंपनी प्रतिबद्ध है। इस स्टोर के उद्घाटन में प्रसिद्ध ऑर्थो-स्पाइन सर्जन डॉ. विवेक पटेल की उपस्थिति, बेहतर नींद और बैठने के समाधान प्रदान करने के लिए ब्रैंड का समर्पण दर्शाती है।

सूरत, भारत का 9वां और गुजरात का दूसरा सबसे बड़ा शहर है और राज्य की आर्थिक वृद्धि को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समृद्ध आबादी के बीच, इस शहर में व्यापार और उद्योग का असीम विकास हुआ है। शहर के लोगों में टच एंड फील शापिंग अनुभवों की मांग को समझते हुए, वीआर मॉल के निकट 1200 वर्ग फुट का ध स्लीप स्टोर स्थानिय लोगों के लिए एक व्यापक स्मार्टग्रिड अनुभव और आसान पहुंच लाएगा, जो बेहतर नींद और बैठने के समाधान प्रदान करेगा। एर्गोनोमिक गद्दे, तकिए, नींद के सामान और स्मार्टग्रिड कुर्सियों के साथ, यह लॉन्च पश्चिमी भारत और देश भर में एक प्रमुख आराम तकनीक प्रदाता बनने की ब्रैंड की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

इस नए स्टोर के लॉन्च के बारे में ध स्लीप कंपनी की सह-संस्थापक सुश्री प्रियंका सैलोट ने कहा कि, "हम सूरत महानगर में दी स्लीप कंपनी के लाजवाब अनुभव लाने के लिए रोमांचित हैं। शहर से हमें जो उमदा प्रतिक्रिया मिली है, वो हमारी वेबसाइट के माध्यम से स्पष्ट है। हमारी प्रोडक्ट के लिए लोगों की बढ़ रही मांग ने हमें यहां अपनी भौतिक उपस्थिति का विस्तार करने के लिए प्रेरित किया है। अच्छी नींद और आराम में क्रांति लाने के लिए समर्पित एक ब्रैंड के रूप में हमारी स्मार्टग्रिड तकनीक को देश भर में अपार सराहना और मान्यता मिली है। इस नए स्टोर के उद्घाटन के साथ, हम सूरत को हमारे मैट्रिसिस, नींद के सामान और कुर्सियों के माध्यम से अत्यधिक कम्फर्ट-टेक सोलुशन प्रदान करने के अपने मिशन के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

स्पाइनल डिसॉर्डर और पेइन सिंड्रोम के विशेषज्ञ आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. विवेक पटेल ने कहा कि, "रीढ़ की हड्डी के स्वास्थ्य में एक विशेषज्ञ के रूप में, मैं यह अच्छी तरह से जानता हुं कि, खराब अवस्था का हमारी पीठ की सेहत पर क्या हानिकारक प्रभाव हो सकता है। देश भर में बढ़ती संख्या में व्यक्तियों को सोने और बैठने के दौरान अनुचित मुद्रा के कारण जीवनशैली संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिससे असुविधा और संभावित दीर्घकालिक रीढ़ की समस्याएं होती हैं। दी स्लीप कंपनी की स्मार्टग्रिड तकनीक एक क्रांतिकारी समाधान के रूप में उभरती है, जो अद्वितीय आराम और समर्थन प्रदान करती है, जो खराब मुद्रा/अवस्था के नकारात्मक प्रभावों को काफी कम कर सकती है। सूरत में स्लीप के नए स्टोर के लॉन्च के साथ, मुझे विश्वास है कि शहर के लोगों को इस गेम-चेंजिंग प्रस्तुती के माध्यम से राहत मिलेगी और रीढ़ की हड्डी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। मैं इस क्षेत्र में नींद की गुणवत्ता और रीढ़ की हड्डी के स्वास्थ्य दोनों को बढ़ाने के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए ध स्लीप कंपनी की दिल से सराहना करता हूं।"

अहमदाबाद मण्डल से चलने/गुजरने वाली तीन जोड़ी ट्रेनों का बामनिया स्टेशन पर ठहराव

अहमदाबाद । पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की माँग व उनकी सुविधा को ध्याान में रखते हुए अहमदाबाद मण्डल से चलने/गुजरने वाली तीन जोड़ी ट्रेनों का बामनिया स्टेनशन पर प्रायोगिक तौर पर ठहराव प्रदान किया जा रहा है। जिसका विवरण इस प्रकार है: 1. ट्रेन संख्यार 12473 गांधीधाम-श्रीमाता वैष्णोा देवी कटड़ा एक्सहप्रेस, गांधीधाम से 02 सितम्ब2र, 2023 से चलने वाली बामनिया स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान 18.52/18.54 बजे एवं ट्रेन संख्याड 12474 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा गांधीधाम एक्स प्रेस, श्रीमाता वैष्णो5देवी कटड़ा से 31 अगस्त , 2023 से चलने वाली बामनिया स्टेशन पर आगमन/प्रस्थानन 07.20/07.22 बजे होगा। 2. ट्रेन संख्या 12475 हापा श्रीमाता वैष्णो देवी कटड़ा एक्सगप्रेस, हापा से 05 सितम्बनर, 2023 से चलने वाली बामनिया स्टेशन पर आगमन/प्रस्थ्ा्न 18.52/18.54 बजे एवं ट्रेन संख्याव 12476 श्री माता वैष्णोल देवी कटड़ा हापा एक्स्प्रेस, श्रीमाता वैष्णो2देवी कटड़ा से 04 सितम्ब र, 2023 से चलने वाली बामनिया स्टेशन पर आगमन/प्रस्थारन 07.20/07.22 बजे होगा। 3. ट्रेन संख्या 12477 जामनगर श्रीमाता वैष्णोरदेवी कटड़ा एक्सगप्रेस, जामनगर से 30 अगस्तब, 2023 से चलने वाली बामनिया स्टेशन पर आगमन/प्रस्थाषन 18.52/18.54 बजे एवं ट्रेन संख्या 12478 श्री माता वैष्णो3 देवी कटड़ा जामनगर एक्सशप्रेस, श्रीमाता वैष्णोादेवी कटड़ा से 03 सितम्ब2र, 2023 से चलने वाली बामनिया स्टेशन पर आगमन/प्रस्थारन 07.20/07.22 बजे होगा।

ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indian-rail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

सूरत की पवित्र भूमि पर सवा करोड़ शिवलिंग का निर्माण एवं जन कल्याण के लिए पूजा का आयोजन

सूरत।

गुजरात का गौरव और पुण्यात्माओं की भूमि मानी जाने वाली सूरत की इस पवित्र भूमि पर त्रिनेत्र सनातन सेवा फाउंडेशन अपने गौरवशाली इतिहास में एक और स्वर्णिम गाथा जोड़ने का प्रयास कर रहा है, जहां डेढ़ करोड़ पार्थिव शिवलिंगों के निर्माण और पूजन का सार्वजनिक कल्याण के लिए आयोजन किया गया है। ऐसा माना जाता है कि आदि अनंत में रहने वाले भगवान शिव हर तरह से कल्याणकारी हैं। और भगवान शिव जो अपने भक्तों के प्रति विशेष दृष्टिकोण रखते हैं, जो अपने भक्तों के जीवन में किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं आने देते हैं, उनकी पूजा करने से मनुष्य को अनंत सुख मिलते हैं। पूजा प्रतिदिन सुबह 7:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक चलेगी। दिनांक 4 सितम्बर 2023 से 14 सितम्बर 2013 तक पार्थिव पूजन का महाकुंभ रहेगा।

मुझे ये कहते हुए बहुत खुशी हो रही है कि दुनिया में पहली बार डेढ़ करोड़ पार्थिव शिव पूजा का संकल्प सूरत की इस पवित्र भूमि पर लिया गया है। और हमारे बीच श्री अंबर गुरुजी जो शिव भक्त हैं और भगवान शिव को अपना गुरु मानते हैं, कहते हैं कि दुनिया में जितनी विज्ञान हैं, उतने ही विज्ञान भी हैं। जो स्वयं भगवान शिव द्वारा प्रदान किया गया है। और शिव का साथ पाने का अर्थ है जीवन में हर शुभता का समावेश करना। भगवान शिव शुभ रूप में संसार में व्याप्त हैं। गुरूजी के अनुसार शिव ही संसार है। शिव सर्वव्यापी हैं और सूरत के इस मंदिर में हम उन सभी से अपील करते हैं जो उस महान उद्देश्य में सहयोग करना चाहते हैं और भगवान की उपस्थिति में खुद को पवित्र करना चाहते हैं। शिव को बेलपत्र सबसे प्रिय है और मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि दुनिया की पहली चांदी की शिव प्रतिमा जो 154 फीट ऊंची होगी, आपके द्वारा दान किए गए चांदी के बेलपत्र से बनाई जाएगी।

ग्राहक चेतना ट्रस्ट ने पुलिस अधिकारियों को सूरत, कोलकाता और गुरुग्राम में प्रतिबंधित सिगरेट बरामद करने में सहयोग किया

ग्राहक चेतना ट्रस्ट द्वारा दी गई खुफिया जानकारी की मदद से स्थानीय पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान द्वारा प्रतिबंधित सिगरेट की तस्करी का खुलासा हुआ। पुलिस अधिकारियों ने सूरत, कोलकाता और गुरुग्राम में अनेक जगहों पर छापेमारी की और बड़ी संख्या में प्रतिबंधित सिगरेट बरामद किए। सूरत में कई स्थानों पर बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित सिगरेट जब्त की गईं जिनमें - बिग बी पान सेंटर, जय बजरंग पान सेंटर, गणेश पान पार्लर और पुनागाम में तलप पान सेंटर आदि शामिल हैं; कोलकाता में चौरसिया पान, दिलखुश पान, नंद दुलाल पान और दम दम रोड पर निखिल साहा की दुकान आदि; और गुरुग्राम में एम3एम अरबाना और सेक्टर 67 में कुतुब प्लाजा मॉल में पान जंक्शन और आरके नरेश पान सेंटर आउटलेट तथा यादव टी हाउस पर छापेमारी कर प्रतिबंधित सिगरेट के स्टॉक जब्त किए गए। मुख्य संदिग्धों के खिलाफ आगे की कार्रवाई के लिए एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

इन घटनाओं के बारे में ग्राहक चेतना ट्रस्ट के प्रिंसिपल ट्रस्टी, श्री सुरेश कौशिक ने कहा, च्व्हम कानून प्रवर्तन एजेंसी की सराहना करते हैं, जिन्होंने हमारी खुफिया जानकारी के आधार पर इन मामलों में कार्रवाई की। सिगरेट के गैरकानूनी व्यापार को रोका जाना और कठोर कदम उठाकर इस खतरे को दूर किया जाना बहुत जरूरी है। हम भारत में जाली/प्रतिबंधित सामान के बारे में ग्राहकों की जागरुकता और शिक्षा बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सिगरेट का गैरकानूनी व्यापार जन स्वास्थ्य और समाज के लिए एक गंभीर और लगातार बढ़ता हुआ खतरा है। इससे सरकार को राजस्व का नुकसान होता है, वैधानिक व्यवसायों को नुकसान पहुँचता है, और उपभोक्ता ऐसे उत्पादों के संपर्क में आते हैं, जो किसी नियम के दायरे में नहीं।ज्ज

पहली घटना में, गुरुग्राम में, कुतुब प्लाजा मॉल में पान जंक्शन और आरके नरेश पान सेंटर आउटलेट पर प्रतिबंधित सामग्री बरामद हुई। इसके बाद एम3एम अरबाना, सेक्टर 67, गुरुग्राम में कई आउटलेट्स पर क़ानूनी कार्रवाई की गई, जिसमें एम3एम अरबाना, सेक्टर67 में यादव टी हाउस के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। इसके अलावा, कोलकाता में दमदम रोड पर चौरसिया पान, दिलखुश पान, नंद दुलाल पान और निखिल साहा दुकान में भी क़ानूनी कार्रवाई की गई।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)